मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

संवत 2082, माघ शुक्लपक्ष 12 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 139 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ शिक्षा बजट में समाज-विज्ञानों पर ध्यान देने की जरुरत

पत्नी का रोल एक अलग अनुभव: चित्रांगदा सिंह ◂◂ 6

कैरव गांधी अपहरण कांड

अपराधियों के साथ पुलिस की मुठभेड़ तीन बदमाशों को लगी गोली

रांची/जमशेदपुर: जिले के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार की देर रात कारोबारी पुत्र कैरव गांधी अपहरण कांड से जुड़े तीन अपराधियों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई। यह मुठभेड़ साईं मंदिर जाने वाले रास्ते पर नाला के पास उस वक्त हुई, जब पुलिस हथियार की बरामदगी के लिए आरोपियों को लेकर मौके पर पहुंची थी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीनों बदमाशों को गोली लगी है। सभी घायल अपराधियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हथियार बरामदगी के दौरान बिगड़ा मामला: पुलिस के अनुसार, बिहार के नालंदा जिले से पकड़े गए तीनों अपराधियों रमेश राजा, गुड्डू सिंह और मोहम्मद इमरान को बिष्टुपुर थाना पुलिस हथियार रिकवरी के लिए साईं मंदिर के पास नाला क्षेत्र में लेकर पहुंची थी। आरोपियों ने पुलिस को बताया था कि उन्होंने वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार इसी इलाके में छुपाकर रखे हैं। इसी दौरान अचानक हालात बिगड़ गए और अपराधियों ने पुलिस पर हमला करने की कोशिश की। पुलिस जवान से छीनी कार्बाइन, छह राउंड फायरिंग: पुलिस का कहना है कि मौके पर पहुंचते ही आरोपियों ने एक पुलिस जवान की कार्बाइन राइफल छीन ली और पुलिस टीम पर करीब छह राउंड फायरिंग कर दी। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की फायरिंग अपराधियों के पैरों में लगी, जिससे तीनों बदमाश मौके पर ही घायल होकर गिर पड़े।

घायल बदमाश अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर: मुठभेड़ के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घायल अपराधियों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तीनों को गंभीर हालत में टीएमएच और एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। राहत की बात यह रही कि इस मुठभेड़ में किसी भी पुलिस अधिकारी या जवान को चोट नहीं आई।

घटनास्थल से दो पिस्तौल बरामद: पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से दो पिस्तौल और अन्य आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया है। बरामद हथियारों की जांच की जा रही है कि इनका इस्तेमाल पहले किन-किन वारदातों में किया गया था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों की तलाश में जुट गई है और मामले की कड़ियां जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

मौके पर पहुंचे एसएसपी और सिटी एसपी: घटना की जानकारी मिलते ही जमशेदपुर के एसएसपी पीयूष पांडेय और सिटी एसपी कुमार शिवाशीष समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पूरी कार्रवाई की जानकारी ली। पुलिस अधिकारियों ने मुठभेड़ में साहस दिखाने वाले पुलिसकर्मियों की पीठ थपथपाई और उन्हें शाबाशी दी।

कैरव गांधी अपहरण कांड में अहम कड़ी: पुलिस के मुताबिक यह मुठभेड़ कैरव गांधी अपहरण कांड की जांच में एक अहम कड़ी मानी जा रही है। पूछताछ के दौरान इन अपराधियों से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की उम्मीद है। पुलिस का दावा है कि इस कार्रवाई से अपहरण कांड के पीछे सक्रिय गिरोह के नेटवर्क को तोड़ने में बड़ी मदद मिलेगी।

कैरव को सकुशल मुक्त करवाया था पुलिस ने: आपको बता दें कि कैरव गांधी एक प्रमुख उद्योगपति के पुत्र हैं, जिनका अपहरण कुछ दिनों पहले जमशेदपुर में ही किया गया था। 13 दिनों के बाद जमशेदपुर पुलिस ने कैरव को मुक्त करवाया था, जिसके बाद अपहरण करने वाले गैंग के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई थी। मुठभेड़ के बाद सिटी एसपी ने कहा कि अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है और मामले की गहन जांच चल रही है।

माघी पूर्णिमा पर स्नान के लिए शंकराचार्य को मनाने में जुटे अफसर, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद बोले

40 दिन में गाय को राज्यमाता का दर्जा दिया जाये

प्रयागराज : ज्योतिर्मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज माघी पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगा सकते हैं। लखनऊ के कुछ उच्चाधिकारियों ने शंकराचार्य से संपर्क कर उन्हें मनाने की कोशिश शुरू कर दी है। अधिकारी शंकराचार्य से माघी पूर्णिमा पर संगम में स्नान के लिए आग्रह कर रहे हैं। शंकराचार्य ने स्नान करने के लिए कई शर्तें भी अधिकारियों के सामने रख दी हैं। जिसमें मौनी अमावस्या को अभद्रता करने वाले अधिकारी लिखित में माफी मांगें, संन्यासियों, बटुकों, ब्राह्मणों, साधु-संतों और वृद्धों की पिटाई करने वाले पुलिस कर्मियों और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई के साथ एफआईआर हो, गाय माता को राष्ट्रमाता घोषित किया जाए और चारों शंकराचार्यों के स्नान के लिए प्रोटोकॉल बने समेत ये चार मांग की हैं। यह सभी चार मांगें मानने पर ही शंकराचार्य ने स्नान की बात कही है। इसकी पुष्टि शंकराचार्य के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगीराज सरकार ने की है।

मौनी अमावस्या पर प्रशासन ने रोक दी थी पालकी: मौनी अमावस्या पर संगम स्नान करने जा रहे ज्योतिष्ठ पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के रथ को पुलिस प्रशास ने संगम जाने से रोक दिया। उनके रथ और जुलूस को रास्ते में रोकने पर माहौल तनावपूर्ण हो गया। रथ रोकने पर शंकराचार्य के समर्थक साधु-संतों और पुलिस में तीखी नोकझोंक हो गई। अधिकारियों ने कहा कि पैदल जाकर स्नान करें, जिस पर विवाद और बढ़ गया। घटना के बाद देखते ही देखते पूरा संगम क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। गृह सचिव मोहित गुप्ता, मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार और अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर शंकराचार्य ने संन्यासियों, ब्राह्मण बटुकों और साधु संतों के साथ मारपीट करने और उनकी चोटी पकड़कर घसीटने और अपमानित करने का आरोप लगाया।

11 दिन तक धरने पर रहे शंकराचार्य: घटना से मर्माहत शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज माघ मेले में त्रिवेणी मार्ग पर स्थित अपने बद्रिकाश्रम हिमालय शिविर के सामने सड़क के किनारे धरने पर रहे। यह धरना मौनी अमावस्या 18 जनवरी से लेकर 27 जनवरी तक चला। वह अधिकारियों से माफी मांगने की जिद पर अड़े रहे, लेकिन किसी अधिकारी ने उनसे संपर्क नहीं किया। 28 जनवरी को शंकराचार्य माघ मेला छोड़कर वाराणसी के लिए रवाना हो गए।

मेला प्रशासन ने दिया था नोटिस- साबित करें आप शंकराचार्य हैं: मौनी अमावस्या की घटना के बाद धरने पर बैठे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज को प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने नोटिस जारी कर-के पूछा था कि साबित करें की आप ज्योतिष्ठ मठ के शंकराचार्य हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा रखी है तो आप क्यों नाम के आगे शंकराचार्य लिख रहे हैं।

भूमि आवंटन निरस्त करने की चेतावनी: मेला प्रशासन यहीं नहीं रुका उसने शंकराचार्य को दूसरा नोटिस जारी कर माघ मेले में आवंटित उनकी भूमि को निरस्त करने की चेतावनी दी थी। जिस पर काफी बवाल हो गया। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत कई दलों के नेताओं ने शंकराचार्य के विरोध का समर्थन किया और सरकार को कोसा।

पुण्यतिथि पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

रांची: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आज मोरहाबादी मैदान, बापू वाटिका स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बापू वाटिका स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल पर भजन मंडली के कलाकारों ने बापू के प्रिय भजन एवं रामधुन प्रस्तुत किये। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री सहित सभी गणमान्य लोग राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रिय भजनों की आत्मीयता में मंत्रमुग्ध हो गये।

मौके पर मीडिया के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि आज हम सभी लोग महात्मा गांधी को स्मरण करते हैं। महात्मा गांधी का जीवन समस्त देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हम सभी उनके आदर्शों पर चलें ये हमारा विश्वास है। मौके पर राज्यपाल ने भारत सरकार के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री स्मृति शेष-दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन को पद्मभूषण सम्मान से अलंकृत करना पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु स्मृति शेष-स्व शिबू सोरेन को सम्मानित करना झारखंड राज्य के प्रति भारत सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। दिशोम गुरु स्मृति शेष-स्व शिबू सोरेन का नाम सदैव अमर रहेगा। इस राज्य को बनाने में उनका अहम योगदान रहा है। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें पूरा देश याद कर रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का व्यक्तित्व, उनका जीवन दर्शन, उनका त्याग, संघर्ष एवं आदर्श पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दिखाए मार्ग पर चलकर ही समृद्ध राज्य , विकसित देश एवं शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व वाली दुनिया की परिकल्पना को साकार किया जा सकेगा।मंत्री दीपिका पांडे सिंह एवं राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

त्रिपुरा में नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रहार

सुरक्षा बलों ने नष्ट की 27 करोड़ की अवैध गांजे की खेती, 65 एकड़ जंगल कराया मुक्त

नई दिल्ली: त्रिपुरा में 'नशा मुक्त राज्य' के संकल्प को दोहराते हुए सुरक्षा बलों ने को एक व्यापक ऑपरेशन चलाकर अवैध नशीली दवाओं के नेटवर्क की कमर तोड़ दी। सोनमुरा सबडिवीजन के संरक्षित वन क्षेत्रों में की जा रही लगभग 27 करोड़ मूल्य की गांजे की खेती को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने सुबह 7:45 बजे से शाम 5:00 बजे तक कमला नगर, कृष्णडोला, दुलुंगा और विजय नगर के वन क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया। यह ऑपरेशन त्रिपुरा में हाल के हफ्तों में हुई दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे

पहले सिपाहीजाला जिले के कलामचौरा क्षेत्र में एक विशाल अभियान चलाया गया था।

एक संयुक्त टीम ने सुबह 7:45 बजे से शाम 5:00 बजे तक सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर कमला नगर, कृष्णडोला, दुलुंगा और विजय नगर के वन क्षेत्रों को निशाना बनाते हुए समन्वित छापे मारे। उन्होंने लगभग 65 एकड़ में फैले 41 गांजे के प्लॉट का पता लगाया और उन्हें नष्ट कर दिया, मौके पर लगभग 1.80 लाख परिपक्व पौधों को उखाड़ दिया। अधिकारियों ने नष्ट की गई फसल का बाजार मूल्य 27 करोड़ रुपये आंका, जिससे वन भंडारों का फायदा उठाने वाले अवैध नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। इस प्रयास में सोनमुरा पुलिस स्टेशन के साथ-साथ विशिष्ट इकाइयाँ शामिल थीं: 81 बटालियन बीएसएफ 5वीं, 9वीं, 11वीं और 14वीं बटालियन टीएसआर, 14वीं बटालियन महिला टीएसआर ,35 बटालियन असम राइफल्स, और सहायक एजेंसियां। इस सहज सहयोग ने व्यापक कवरेज सुनिश्चित किया, जिससे व्यापक तलाशी के दौरान किसी भी भागने या सबूत छिपाने से रोका जा सका।

पीटी उषा के पति वी श्रीनिवासन का निधन, प्रधानमंत्री ने किया शोक व्यक्त

नई दिल्ली: भारतीय खेल जगत की दिग्गज और राज्यसभा सांसद पीटी उषा के पति वी श्रीनिवासन का शुक्रवार तड़के निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रीनिवासन शुक्रवार सुबह अपने आवास पर अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुखः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीटी उषा से फोन पर बात कर उन्हें इस दुखद क्षण में सांत्वना दी और पति के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, प्रधानमंत्री ने इस अपूरणीय क्षति पर शोक जताते हुए परिवार को धैर्य और शक्ति देने की कामना की। हर सफर में साथ निभाने वाला जीवनसाथीः वी श्रीनिवासन केंद्र सरकार के पूर्व कर्मचारी थे और पीटी उषा के खेल जीवन से लेकर सार्वजनिक और राजनीतिक सफर तक, हर पड़ाव पर उनके साथ मजबूती से खड़े रहे। उन्हें पीटी उषा की सफलता के पीछे एक मजबूत स्तंभ के रूप में देखा जाता था, जिन्होंने पर्दे के पीछे रहकर हर चुनौती में उनका साथ दिया। दंपति का एक बेटा है, जिसका नाम उज्ज्वल है। नेताओं ने भी जताई संवेदनाएं: केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी श्रीनिवासन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

सोना-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट, सिल्वर 24000 तक टूटी, गोल्ड 8000 सस्ता

नई दिल्ली: सोना-चांदी के दामों में आज गिरावट दर्ज की गई है। जालंधर सराफा एसोसिएशन के अनुसार शुक्रवार को 24 कैरेट सोने का भाव 1,76,000 था जबकि गुरुवार को यह 1,83,000 दर्ज किया गया था। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,63,680 रुपये पर पहुंच गया है। इसी तरह चांदी के दामों में भी कमी आई है। शुक्रवार को चांदी का भाव 3,78,500 रुपये रहा, जबकि गुरुवार को यह 4 लाख रुपये से ऊपर पहुंच गई थी। उधर, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं के भाव नरम पड़ गए हैं। खबर लिखे जाने के समय टउ पर सोने का वायदा भाव करीब 1065 रुपए लुढ़क कर 1,82,897 रुपए प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी का वायदा भाव 12709 रुपए गिरा है, ये 3,87,184 रुपए प्रति किलो के आसपास कारोबार कर रही है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी रिकॉर्ड तेजी के बाद अब सोना और चांदी फिसलते नजर आ रहे हैं।

'जाति की दीवार' पर कोर्ट का स्टे'

बीजेपी ने बताया 'सनातन की जीत' तो कांग्रेस बोली- 'असली मुद्दों से ध्यान भटकाने का खेल'

नई दिल्ली: बीते दिन सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नियमों पर रोक लगाया है। कोर्ट ने यह रोक उन नियमों पर लगाया है, जो परिसरों में जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए लागू किए गए थे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्य बागची की बेंच ने कहा कि इन नियमों की भाषा में 'प्रथम दृष्टया अस्पष्टता' है, जिससे समाज में बंटवारा होने और नियमों के दुरुपयोग का खतरा है।

कोर्ट ने क्यों लगाया स्टे? : अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि ये नियम देश की एकता को प्रभावित कर सकते हैं। कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब 2012 के नियम पहले से मौजूद थे, तो नए नियमों में 'जातिगत भेदभाव' को अलग से परिभाषित करने की क्या जरूरत थी? अदालत ने चिंता जताई कि इससे शैक्षणिक संस्थानों में 'सेग्रीगेशन' (अलगाव) जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 19 मार्च 2026 को होगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फिलहाल 2012 के पुराने नियम ही प्रभावी रहेंगे। केंद्र सरकार और यूजीसी को 19 मार्च तक कोर्ट में अपना जवाब दाखिल करना होगा कि इन नियमों को बनाने के पीछे उनका तर्क क्या है।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में आवारा कुत्तों की समस्या से जुड़ी याचिकाओं पर महत्वपूर्ण सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की तीन सदस्यीय पीठ ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद वकीलों को एक हफ्ते के भीतर अपनी लिखित दलीलें जमा करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नसबंदी के आंकड़ों में फजीर्वाड़े और फंड की हेराफेरी की ओर भी इशारों में सख्त टिप्पणी की है।

हाईवे पर जानवरों की फोटो अपलोड करने के लिए बनेगा ऐप : सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया को एक अहम सुझाव दिया। पीठ ने कहा कि हाईवे पर आवारा जानवरों की मौजूदगी हादसों का सबब बनती है, इसलिए एनएचएआई को एक ऐसा मोबाइल ऐप बनाना चाहिए जिस पर आम लोग जानवर दिखने पर उसकी फोटो खींचकर अपलोड कर सकें। इससे विभाग के पास लोकेशन के साथ विजुअल्स पहुंच जाएंगे और कार्रवाई आसान होगी। कोर्ट के इस सुझाव पर एनएचएआई के वकील ने सहमति जताते हुए कहा कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे। सिर्फ 76 सेंटर मान्य, पर राज्यों के कागजों में चल रहे 883 केंद्रः मामले की सुनवाई के अंतिम दौर में एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया के वकील ने बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने कोर्ट को बताया कि देश में बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त नसबंदी केंद्रों की संख्या महज 76 है, जबकि विभिन्न राज्यों के आंकड़ों में दावा किया गया है कि 883 सेंटर चल रहे हैं। इसका सीधा मतलब है कि सैकड़ों केंद्र या तो बिना मान्यता के चल रहे हैं या फिर सिर्फ कागजों पर मौजूद हैं। वकील ने बताया कि 250 से ज्यादा आवेदन अभी भी पेंडिंग हैं। आंकड़ों में विसंगति का जिक्र करते हुए वकील ने उत्तराखंड का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि वहां कुत्तों की आबादी कम है, लेकिन नसबंदी के आंकड़े कुत्तों की कुल संख्या से भी ज्यादा दिखाए गए हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने तंज कसते हुए टिप्पणी की कि इसके कारण बिल्कुल साफ हैं। हर कोई जानता है कि इसके पीछे क्या वजह (फंड/ग्रांट) है।

अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी का आयोजन, बोले मुख्यमंत्री -

हर वर्ग को आगे बढ़ाने वाला हो झारखंड का बजट

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार की ओर से प्रोजेक्ट भवन में अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य के लिए इस बार मजबूत, संतुलित और बहुआयामी बजट की आवश्यकता है, जो झारखंड जैसे युवा राज्य की संभावनाओं को आकार दे सके।

संतुलित और समावेशी बजट पर मुख्यमंत्री का जोरः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि बजट ऐसा होना चाहिए, जिसमें जन आकांक्षाएं स्पष्ट रूप से परिलक्षित हों और विकास को भी गति मिले। उन्होंने कहा कि बजट समावेशी और व्यापक हो, ताकि राज्य का हर वर्ग और हर क्षेत्र पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ सके।

लगभग एक लाख करोड़ रुपये का हो सकता है आगामी बजटः मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी बजट लगभग एक लाख करोड़ रुपये के होने का अनुमान

है और आने वाले वर्षों में बजट की राशि में और वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि ऐसे में राजस्व संग्रहण बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास आवश्यक हैं, ताकि विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में धन की कमी न हो।

जनभागीदारी से बेहतर बजट की परिकल्पनाः मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का बजट और बेहतर बने, इसके लिए आम लोगों की भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकार इस दिशा में जनता से लगातार सुझाव ले रही है। उनका मानना है कि लोगों की भागीदारी से ही झारखंड के लिए संतुलित और विकास आधारित बजट तैयार किया जा सकता है। दावोस और लंदन दौरे के अनुभवों का किया उल्लेखः अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने हालिया दावोस और लंदन दौरे की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि विश्व आर्थिक मंच की बैठक और विदेश यात्रा के दौरान अन्य देशों की नीतियों, समृद्ध अर्थव्यवस्था, लोगों की जीवन और कार्यशैली तथा परंपरा और संस्कृति को करीब से देखने और समझने का अवसर मिला। इन अनुभवों के आधार पर राज्य को नई दिशा देने का प्रयास किया जाएगा।

वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी रहे मौजूदः अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, वित्त सचिव प्रशांत कुमार, सचिव संसाधन वित्त अमित कुमार, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अमरेंद्र प्रताप सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

लाभुकों को नहीं मिल रहा पूरा राशन

राशन नहीं मिलने से नाराज सैकड़ों कार्डधारकों ने किया विरोध प्रदर्शन

ईपोश मशीन और आवंटन टैग नहीं होने के कारण हो रही समस्याः पीडीएस दुकानदार

संवाददाता

चतराः सरकार की ओर से भले ही गरीबों को भूख से बचाने के लिए अन्न योजना बनाई है। जिसके तहत गरीबों को मुफ्त अनाज देना है। लेकिन कुछ अधिकारियों की लापरवाही के कारण इस योजना का लाभ गरीबों को नहीं मिल पा रहा है। ताजा मामला जिले के हंटरगंज प्रखंड के बांकी गांव में जन वितरण दुकानदार द्वारा कुछ राशन कार्डधारियों को राशन नहीं देने के विरोध में सैकड़ों लोगों ने पीडीएस दुकान के समक्ष आपूर्ति विभाग और सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया।

अनाज नहीं मिलने से लाभुक परेशानः दर्जनों लाभुकों ने बताया कि पिछले दो माह से अनाज कम मिल रही है। वहीं डीलर के द्वारा आगे ही मशीन पर अंगूठा ले ली जाती है।लाभार्थियों ने बताया कि कई बार तो उन्हें अनाज से भी वंचित कर दिया गया है।विभागीय लापरवाही का हमसभी को खामियाजा भुगताना पड़ रहा है। वरीय अधिकारियों से मांग है कि जल्द से जल्द जांच कर समस्या का निदान किया जाए। इधर विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही जन वितरण दुकान पर प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी अर्जुन कुमार पहुंचे और ग्रामीणों को टेक्निकल इशू का हवाला देकर मामला को शांत करवाया। इस संबंध में डीलर जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि डीलर उर्मिला देवी को 15 फरवरी 2023 को निलंबित कर दिया गया था। तब से मैं ही सभी को राशन वितरण करते आ रहा हूं।ईपोश मशीन और आवंटन टैग नहीं होने के कारण आवंटन कम हो रही है। जिसके वजह से समस्या उत्पन्न हो रही है। इस विषय में 20 जनवरी को डीएसओ चतरा से लिखित शिकायत की गई है। लेकिन अभी तक संज्ञान नहीं लिया गया है जिसका खामियाजा लाभुकों को भुगताना पड़ रहा है। इधर इस संबंध में प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी से संपर्क साधने की कोशिश की गई लेकिन उनका मोबाइल ऑफ बता रहा था।

चतरा पुलिस ने 31 एकड़ में अवैध अफीम की खेती को किया नष्ट

चतराः पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल लगातार अफीम खेती पर प्रहार करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गुरुवार को भी जिले में अवैध अफीम की खेती के उन्मूलन हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के क्रम में कुंदा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंदुरी में करीब 04 एकड़ और लावालौंग थाना क्षेत्र के ग्राम पासागम में 25 एकड़ तथा बशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के ग्राम कुरखेता में करीब 02 एकड़ भूमि पर पुलिसिया डंडा चला। कुल 31 एकड़ वन भूमि में की जा रही अवैध अफीम की खेती को शुरूआती अवस्था में ही नष्ट कर दिया गया।साथ ही अवैध खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है तथा उनके विरुद्ध आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक श्री अग्रवाल ने आमजनो से अपील की है कि अवैध अफीम की खेती न करें तथा किसी भी व्यक्ति को ऐसी गैर-कानूनी गतिविधि करने से रोकने में चतरा पुलिस का सहयोग करें।

छात्राओं के बीच ज्योमेट्री बॉक्स का वितरण

चतराः सीसीएल आविष्कार फाउंडेशन की ओर से सीएसआर कोष द्वारा हंटरगंज के परियोजना बालिका उच्च विद्यालय के दसवीं वर्ग की छात्राओं के बीच निःशुल्क ज्योमेट्री बॉक्स का वितरण किया गया। सीसीएल आविष्कार फाउंडेशन के बॉबी सिंह ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस ज्योमेट्री बॉक्स से बोर्ड के परीक्षा में उन्हें सहूलियत होगी।उन्होंने आगे कहा कि आपकी पढ़ाई के प्रति एकाग्रता और समर्पण ही उज्जवल भविष्य की ओर ले जा सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा में यदि कोई समस्या आती है, तो समाज के सभी लोगों को मिलकर उसका समाधान निकालना चाहिए, जिससे बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए। मौके पर प्रधानाध्यापक विवेक सिंह, मुकेश कुमार, देवी नंदन पाण्डेय, इंदल कुमार, वीणा, सहित सैकड़ों छात्राएं मौजूद थीं।

उपायुक्त ने समाहरणालय स्थित रिकॉर्ड रूम का किया निरीक्षण

चतराः उपायुक्त कीर्तिश्री ने जिले के वरीय अधिकारियों के साथ गुरुवार की शाम समाहरणालय परिसर में स्थित रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने रिकॉर्ड रूम की व्यवस्थाओं, अभिलेखों के संधारण एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव, डिजिटलीकरण एवं समयबद्ध अद्यतन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मौके पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

नामांकन के पहले दिन नप के पूर्व उपाध्यक्ष सुदेश ने अध्यक्ष पद के लिए किया नामांकन

संवाददाता

चतराः नगर परिषद चुनाव को लेकर गुरुवार से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन के पहले दिन नगर परिषद चतरा के निवर्तमान उपाध्यक्ष सुदेश कुमार उर्फ फंटूश ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। सुदेश कुमार अपने प्रस्तावक और समर्थक के साथ समाहरणालय पहुंचे और निवाचीं पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता अरविंद कुमार के समक्ष नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद सुदेश कुमार उर्फ फंटूश ने कहा कि चतरा की जनता ने इससे पहले उन्हें उपाध्यक्ष के रूप में वोट देकर जीताने का काम किया। उपाध्यक्ष के रूप में उन्होंने 24 घंटे शहर की जनता के लिए खड़े होकर उनके जरूरत के कामों में हांथ बटाया। लोगों को जहां भी उनकी जरूरत हुई बगैर कोई भेदभाव किए उनके लिए काम किया। इस बार अध्यक्ष का सीट सामान्य होने पर लोगों से परामर्श के बाद अध्यक्ष पद से नामांकन किया है। उन्होंने कहा कि चतरा नगर परिषद के विकास के लिए उनके पास स्पष्ट विजन और ठोस कार्ययोजना है। पूर्व में उपाध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नगर की समस्याओं को नजदीक से देखा है और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि यदि जनता उन्हें मौका देती है तो नगर परिषद क्षेत्र में साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाएगा।

नगर परिषद आम निर्वाचन 2026 : नाम निर्देशन प्रक्रिया का उपायुक्त ने लिया जायजा

चतराः नगर परिषद (आम) निर्वाचन 2026 के सफल, निष्पक्ष एवं सुचारु आयोजन को लेकर नाम निर्देशन प्रक्रिया के प्रथम दिन गुरुवार को देर शाम जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कीर्तिश्री द्वारा समाहरणालय परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने नगर परिषद अध्यक्ष पद हेतु नियुक्त निवाचीं पदाधिकारी के कार्यालय कक्ष का निरीक्षण कर नाम निर्देशन से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके पश्चात उन्होंने एनआईसी में संचालित कार्मिक कोषांग का भी निरीक्षण किया तथा वहां की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस दौरान उपायुक्त ने निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा निर्वाचन प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। इसके उपरांत उपायुक्त चतरा कॉलेज, चतरा पहुँचीं, जहाँ उन्होंने स्ट्रांग रूम, मतगणना केंद्र एवं डिस्पैच सेंटर हेतु की जा रही तैयारियों का भी निरीक्षण किया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी, जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पिछले नप चुनाव में आय व्यय जमा नहीं करने को लेकर निवर्तमान अध्यक्ष सहित 30 प्रत्याशी अयोग्य

- उपाध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ चुके मो ख्याम कौशर, मो हबीब व सरयू निषाद भी अयोग्य घोषित
- मंदूर साव के चुनावी समर से बाहर होते ही बदला अध्यक्ष पद का समीकरण

चतराः नगर परिषद चुनाव दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। समय पर आय व्यय विवरण जमा नहीं करने के कारण पूर्व नप अध्यक्ष जमुना प्रसाद उर्फ मंदूर साव सहित 30 नेताओं के चुनाव लड़ने पर रोक लग गई है। जमुना प्रसाद इस बार फिर अध्यक्ष पद की दौड़ में उतरने की तैयारी में थे। गुरुवार को उन्होंने नामांकन प्रपत्र भी खरीदा, लेकिन अयोग्यता की पुष्टि होते ही उनका हौसला पस्त हो गया। बताते चलें कि पूर्व में नगर चुनाव में जमुना प्रसाद उर्फ मंदूर साव ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की थी। मंदूर साव के अलावे अध्यक्ष और वार्ड पार्षदों के चुनावी समर से बाहर होने के बाद चतरा नगर परिषद में अध्यक्ष पद के लिए चुनावी समीकरण पूरी तरह बदल गया है। कई वार्डों और अध्यक्ष पद पर नए चेहरों के उभरने की संभावना तेज हो गई है। 30 अयोग्य घोषित प्रत्याशियों के चुनाव नहीं लड़ने की पुष्टि अध्यक्ष पद के निवार्चीं पदाधिकारी अरविंद कुमार ने की है। अयोग्य घोषित किए गए नामों में अध्यक्ष पद से चुनाव लड़ चुके यमुना प्रसाद उर्फ मंदूर साव, उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ चुके ख्याम कौसर अंसारी, मो. हबीब और सरयु निषाद का नाम शामिल है। वहीं, वार्ड पार्षद पद से चुनाव लड़ चुके जिन प्रत्याशियों पर चुनाव लड़ने पर रोक लगी हैं, उनमें मो. ऊबैद आलम, संजय कुमार सिन्हा, प्रदीप कुमार सिन्हा, अंजुम आरा, खुशबू कुमारी, गुड़िया देवी, अंजु कुमारी, सुमन दयाल, शत्रुधन कुमार राम, रीता देवी, शकुंतला देवी, ज्योति ओझा, ममिता जायसवाल, तस्सुम प्रवीण, मो. महमूद इसन, मो. समीम, अफसाना खातून, मदीना खातून, रोखसार परवीन, फिरोजा खातून, शमसुन निशा, महेश कुमार, युगल किशोर ठाकुर, रौशन कुमार, अमित कुमार व कलावती देवी का शामिल है।

प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन के दूसरे दिन

360 डिग्री शिक्षा,प्रबंधन व एनईपी पर हुआ सार्थक मंथन

संवाददाता

चतराः जिला मुख्यालय स्थित स्थानीय इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में विद्या विकास समिति, झारखंड के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन के दूसरे दिन का कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायी रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल भारतीय महामंत्री देशराज शर्मा, अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्माजी राव,विद्या विकास समिति के माननीय क्षेत्रीय मंत्री रामअवतार नारसरिया, प्रदेश सचिव नकुल शर्मा एवं सर्वव्यवस्था प्रमुख सह पलामू विभाग निरीक्षक अखिलेश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात सरस्वती वंदना के साथ सत्रों की विधिवत शुरूआत हुई।प्रथम सत्र में हजारीबाग विभाग का वृत्त

प्रतिवेदन सरस्वती विद्या मंदिर, कुम्हारटोली ,हजारीबाग के प्रधानाचार्य शर्मेंद्र साहू ने पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महामंत्री देशराज शर्मा ने शिक्षा की भूमिका, भारतीय संस्कृति व परंपरा, प्रधानाचार्य के दायित्व तथा सामाजिक एवं आध्यात्मिक संगठनों की सहभागिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में देवघर विभाग का विषय प्रतिवेदन सरस्वती विद्या मंदिर, फतेहपुर के प्रधानाचार्य आनंद मिश्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस सत्र में विद्यालय लेखा-जोखा, आय-व्यय, बजट निर्माण, पीएफ, आरटीआई, विद्यालय पंजीकरण एवं जैक/सीबीएसई एफिलिएशन,भूदान ,अनुदान में बने विद्यालय के नियम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल,

व्यवहारिक एवं रोचक मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही सरकारी नियमों के अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया।

तृतीय सत्र में रांची विभाग का वृत्त प्रतिवेदन सरस्वती विद्या मंदिर,मोरहाबादी के प्रधानाचार्य आशीष कुमार झा ने प्रस्तुत किया। इस दौरान 360 डिग्री शिक्षा, एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग तथा नई शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित ध्यातव्य बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। विभिन्न जिलों से आए प्रधानाचार्यों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं व सुझाव जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम के जरिए अखिल भारतीय महामंत्री के सामने रखी ।कार्यक्रम में सर्वव्यवस्था प्रमुख सह पलामू विभाग के विभाग निरीक्षक अखिलेश कुमार, रांची विभाग के विवेक नयन पांडेय, धनबाद विभाग के नीरज कुमार लाल,साहेबगंज विभाग के रमेश कुमार,जमशेदपुर विभाग के तुलसी प्रसाद ठाकुर,गुमला विभाग के ओमप्रकाश सिन्हा,हजारीबाग विभाग के ब्रजेश कुमार सिंह ,प्रांतीय संवाददाता मनोज भारद्वाज,अखिल भारतीय कार्यालय के कौशलेश कुमार ,क्षेत्रीय घोष प्रमुख राजेश कुमार,जानतीय प्रमुख कार्यकर्ता रंथु उरांव,कलम हेंब्रम,कार्यक्रम संयोजक सह कोषाध्यक्ष मुकेश साह, सचिव संजय सिन्हा, प्रचार-प्रसार प्रमुख अरविंद पांडेय,विद्या विकास समिति के प्रांतीय कार्यालय प्रतिनिधि सहित राज्यभर से आए प्रधानाचार्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उक्त जानकारी स्थानीय प्रचार-प्रसार प्रमुख मनीष कुमार ने दी।

बदला मौसम का मिजाज

3- 4 फरवरी को बारिश, सुबह हल्का कोहरा दिन में बादल, 2-3 डिग्री तक गिरेगा तापमान

संवाददाता

रांचीः झारखंड में मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। पिछले कुछ दिनों से बढ़े तापमान के कारण लोगों को गर्मी महसूस हो रही थी और गर्म कपड़े कम हो गए थे। लेकिन अब मौसम विभाग ने बारिश और ठंड बढ़ने का अनुमान जताया है।

अगले तीन दिनों में तापमान फिर 2 से 3 डिग्री बढ़ने की संभावना

झारखंड में आने वाले दिनों में मौसम करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 3 और 4 फरवरी को राज्य के कई जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आएगी, जिससे ठंड का असर फिर बढ़ जाएगा। अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। इसके बाद अगले तीन दिनों में तापमान फिर 2 से 3 डिग्री बढ़ने की संभावना है। पिछले कुछ दिनों से तापमान बढ़ने के कारण लोगों को गर्मी लगने लगी थी। बीते 24 घंटों में राज्य के 10 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। इसी वजह से लोग बिना गर्म कपड़ों के बाहर निकलने लगे थे, लेकिन अब मौसम बदलने से ठंड फिर लौट सकती है।

सुबह हल्का कोहरा और दिन में बादल छाए रह सकते हैं

मौसम विभाग के अनुसार 3 फरवरी को पलामू, गढ़वा, चतरा, लातेहार और आसपास के इलाकों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। राज्य के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहेगा। इस दौरान सुबह हल्का कोहरा छा सकता है और दिन में आंशिक बादल रहेंगे। वहीं 4 फरवरी को पश्चिमी झारखंड के अलावा सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना है। बाकी इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा। सुबह हल्का कोहरा और दिन में बादल छाए रह सकते हैं।

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा और कुछ जगहों पर हल्का कोहरा देखा गया। इस दौरान सबसे अधिक अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस रांची के कांके में रिकॉर्ड किया गया।

शब-ए-बारात की छुट्टी रद्द होने से मुस्लिम समुदाय में रोषः गुलाम शाहिद

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के विभिन्न वार्डों में भ्रमण के दौरान स्थानीय लोगों ने पत्रकारों से बातचीत में झारखंड सरकार और अल्पसंख्यक नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े किए। जनता का कहना है कि जब अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों पर सीधा प्रहार हो रहा है, तब अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष और अल्पसंख्यक मंत्री हफीजुल हसन की चुप्पी समझ से परे है।

लोगों ने शिकायत के लहजे में कहा कि वर्ष 2026 की अवकाश तालिका में मुस्लिम समुदाय के महत्वपूर्ण पर्व शब-ए-बारात की छुट्टी नहीं दी गई, जबकि 3 फरवरी को पर्व के साथ-साथ विद्यार्थियों की परीक्षाएं भी निर्धारित हैं। इससे मुस्लिम विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में भारी बेचैनी है। जनता ने सवाल उठाया कि क्या अल्पसंख्यकों की समस्याएं इन नेताओं की प्राथमिकता में नहीं हैं?भ्रमण के दौरान आमया संगठन के केन्द्रीय अध्यक्ष एस अली ने पत्रकारों को बताया कि वर्ष 2025 में भी यही गलती दोहराई गई थी, जिसे बाद में मुस्लिम समाज के विरोध के कारण सरकार को अधिसूचना संख्या-6776 दिनांक 14.10.2024 जारी कर सुधारना पड़ा था। इसके बावजूद 2026 में फिर से वही स्थिति पैदा होना यह दशार्ता है कि न तो सरकार गंभीर है और न ही अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्री और आयोग सजग हैं।

जनता ने विशेष रूप से सवाल किया कि अल्पसंख्यक मंत्री हफीजुल हसन आखिर किस बात का इंतजार कर रहे हैं? अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अब तक इस मामले पर संज्ञान क्यों नहीं ले रहे? सोशल एक्टिविस्ट तनवीर अख्तर का कहना है कि अगर यही रवैया रहा, तो यह माना जाएगा कि अल्पसंख्यकों के नाम पर बने पद और संस्थाएं केवल औपचारिकता बनकर रह गई हैं। जनता ने मांग की कि अविलंब अवकाश तालिका में संशोधन कर शब-ए-बारात की छुट्टी बहाल की जाए और 3 फरवरी को होने वाली परीक्षाओं के संबंध में भी स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं।

भ्रमण के दौरान मुस्लिम समुदाय ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि अब भी जिम्मेदार लोग मौन बने रहे, तो अल्पसंख्यक समाज इसे अपनी उपेक्षा मानेगा और लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध करेगा।

धूमधाम से निकलेगा पहाड़ी बाबा का शिव बारात, संरक्षक से मिला प्रतिनिधिमंडल

मेट्रो रेज

रांचीः श्री शिव बारात आयोजन महासमिति, पहाड़ी मंदिर का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष राजेश साहू के नेतृत्व में समाजसेवी संरक्षक भोला प्रसाद ,भीम प्रसाद एवं रवि प्रसाद से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर इस वर्ष निकलने वाले श्री शिव बारात को लेकर विस्तृत चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने श्री प्रसाद को इस वर्ष होने वाले शिव बारात को भव्य, आकर्षक एवं ऐतिहासिक बनाने की रूपरेखा से अवगत कराया तथा उन्हें बारात में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया। इस अवसर पर श्री प्रसाद ने कहा कि वे समिति के साथ हैं और बारात के आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी न रहे, इसके लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे।

महासमिति की ओर से बताया गया कि इस वर्ष शिव बारात को पारंपरिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप में और अधिक भव्य बनाया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं की बड़ी भागीदारी रहेगी।

इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से राजेश साहू (अध्यक्ष), बादल सिंह (प्रवक्ता), रजनीश सिंह भोलू, रिवाल्डो वर्मा, सुभाषित चटर्जी, देवाशीष राय ,अमन सिंह ,राम सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

उक्त जानकारी महासमिति के प्रवक्ता बादल सिंह ने दी।

वार्ड 10 के विकास के लिए निशात प्रवीन को दें सेवा का अवसर

रांचीः लोहरदगा नगर परिषद चुनाव के मद्देनजर वार्ड संख्या 10 से निशात प्रवीन ने पार्षद पद के लिए चुनाव मैदान में उतरने की घोषणा की है। निशात प्रवीन के पति वासिफ कय्यूम ने वार्डवासियों से अपील की है कि वे एक बार उन्हें सेवा का अवसर देकर वार्ड के सर्वांगीण विकास में सहभागी बनें।

निशात प्रवीन ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि वार्ड की वर्षों पुरानी बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान करना है। उन्होंने बताया कि साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, जर्जर सड़कों व नालियों का निर्माण, स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था तथा जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को वे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानती हैं। उन्होंने वार्ड की जनता से समर्थन की अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें चुना गया, तो वे हर वर्ग के लोगों के साथ मिलकर ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करेंगी। निशात प्रवीन ने विश्वास जताया कि वार्ड संख्या 10 की जनता विकास और जनसेवा के मुद्दे पर उन्हें अपना समर्थन देगी।

रांची रेलवे स्टेशन पर 08 किलोग्राम गांजा बरामद दो तस्कर गिरफ्तार, अनुमानित कीमत 4 लाख

रांचीः रांची रेल मण्डल में मण्डल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ बेहद सतर्कता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर रही है। इसी क्रम में आरपीएफ द्वारा रांची रेलवे स्टेशन पर जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान शाम को प्लेटफॉर्म संख्या-01 स्थित फूड प्लाजा के सामने दो व्यक्ति संदिग्ध एवं भयभीत अवस्था में दो पिट्ठू बैग के साथ बैठे पाए गए। संदेह होने पर उनसे पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने अपना नाम (1) मोनू कुमार, उम्र लगभग 24 वर्ष, पिताझ अशोक राम, निवासीझ गाजियाबाद (उ.प्र.) तथा (2) राजकुमार, उम्र लगभग 24 वर्ष, पिताझ विनय राम, निवासीझ रोहतास (बिहार) बताया। पूछताछ के दौरान दोनों व्यक्तियों ने अपने-अपने बैग में गांजा होने की बात स्वीकार की। तत्पश्चात मामले की सूचना सहायक सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ, रांची अशोक कुमार सिंह को दी गई, जो मौके पर पहुंचे। उनके निदेर्शानुसार सभी वैधानिक औपचारिकताओं का पालन करते हुए मौके पर ही दोनों व्यक्तियों की तलाशी एवं बैग की जांच की गई। जांच के दौरान मोनू कुमार के नीले रंग के पिट्ठू बैग से भूरे प्लास्टिक में लिपटे 04 पैकेट गांजा तथा राजकुमार के काले एवं नीले रंग के पिट्ठू बैग से भी 04 पैकेट गांजा बरामद किया गया। सभी 08 पैकेटों को डीडी किट से जांच करने पर गांजा होना प्रमाणित पाया गया। बाद में मौके पर वजन किए जाने पर दोनों से 04-04 किलोग्राम, कुल 08 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ अतः बरामद 08 किलोग्राम गांजा, एक मोबाइल फोन एवं एक सामान्य रेलवे टिकट को आरपीएफ पोस्ट रांची के एएसआई योगेंद्र कुमार द्वारा मौके पर ही जब्त कर सील किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उक्त गांजा ओडिशा के फूलमणि क्षेत्र से किसी अज्ञात व्यक्ति से प्राप्त कर संबलपुर होते हुए ट्रेन द्वारा रांची पहुंचे थे तथा इसे सासाराम ले जाकर किसी कृष्णा कुमार नामक व्यक्ति को सौंपना था।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर युवा कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि बोले शादाब खान

बापू एक विचार हैं, नफरत की सोच उन्हें मिटा नहीं सकती

मेट्रो रेज

रांचीः महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव शादाब खान ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं, जिसे नफरत और हिंसा की कोई भी सोच कभी समाप्त नहीं कर सकती।

शादाब खान ने कहा कि बापू ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश को आजादी दिलाई और पूरी दुनिया को मानवता, भाईचारे और शांति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सत्य और अहिंसा की शक्ति किसी भी सत्ता की शक्ति से कहीं अधिक बड़ी और प्रभावशाली है।

उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में महात्मा गांधी के विचारों को अपनाने की सबसे अधिक आवश्यकता है, ताकि समाज में बढ़ रही नफरत, हिंसा और विभाजन को रोका जा सके। युवा कांग्रेस महात्मा गांधी के आर्दशों पर चलकर देश में सद्भाव, एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

अंत में शादाब खान ने युवाओं से आह्वान किया कि वे बापू के विचारों को अपने जीवन में उतारें और सत्य, अहिंसा व प्रेम के मार्ग पर चलकर एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दें।

आरपीएफ हटिया ने यात्रियों की खोई संपत्ति बरामद कर उनके मालिकों को सौंपा

मेट्रो रेज

रांचीः रांची रेल मण्डल मे मण्डल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ अपनी ड्यूटी के प्रति बेहद ईमानदार भूमिका का निर्वहन कर रही। इसी क्रम में रेलमदद शिकायत के आधार पर आरपीएफ द्वारा ट्रेन संख्या 15028 के प्लेटफॉर्म संख्या-01, हटिया पर एक नीले रंग का वेरेगन कंपनी का ट्रॉली बैग बरामद किया गया, जो यात्रा के दौरान छूट गया था। उक्त ट्रॉली बैग में ब्रांडेड कपड़े एवं जूते थे, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 20,000 थी। आवश्यक सत्यापन एवं औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत ट्रॉली बैग उसके मालिक अभय कुमार चौधरी, निवासी धनबाद को सुरक्षित रूप से सौंप दिया गया। दूसरे मामले में साइबर सेल एवं उएक्क प्रक्रिया के तहत एक चोरी हुआ मोटोरोला जी-64 मोबाइल फोन बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 15,000 है। मोबाइल फोन के वास्तविक मालिक श्री कार्तिक अमन शर्मा, जिनका मोबाइल ट्रेन संख्या 18615 (क्रियायोगा एक्सप्रेस) से यात्रा के दौरान मुरी स्टेशन के पास गुम हो गया था, को सभी आवश्यक औपचारिकताओं के बाद मोबाइल फोन सुपुर्द किया गया। सराहनीय कार्य करने वालों में शामिल अधिकारी एवं कर्मचारीः उपनिरीक्षक रीता कुमारी, उपनिरीक्षक उज्ज्वल कुमार, स्टाफ एम.के. अस्तित्व, उर्मिला देवी तथा दयामनी तिर्की

शिक्षा में समानता की मांग, यूजीसी एक्ट के तहत अल्पसंख्यकों छात्रों को भी मिले कानूनी सुरक्षा

मेट्रो रेज

रांचीः एनएसयूआइ प्रदेश उपाध्यक्ष अमन अहमद ने ईमेल पत्र के माध्यम से यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के अध्यक्ष को पत्र लिखा ।

पत्र में लिखा कि यूजीसी एक्ट के प्रावधानों के तहत शिक्षा में समानता और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए मजबूत कानूनी सुरक्षा की जरूरत को लेकर चिंता बढ़ रही है। शिक्षा लोकतंत्र और सामाजिक न्याय का एक मूलभूत स्तंभ है। भारत का संविधान अनुच्छेद 14 के तहत कानून के समक्ष समानता की गारंटी देता है और अनुच्छेद 29 और 30 के तहत अल्पसंख्यकों के लिए विशेष सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि, व्यवहार में, अल्पसंख्यक छात्रों को अक्सर उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव, बहिष्कार और गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसरों तक असमान पहुंच का सामना करना पड़ता है।

हालांकि यूजीसी एक्ट का उद्देश्य उच्च शिक्षा में समान मानक सुनिश्चित करना है, लेकिन अल्पसंख्यक छात्रों को संस्थागत पूर्वाग्रह, उत्पीड़न, या अवसरों से वंचित करने से बचाने के लिए स्पष्ट कानूनी प्रावधानों के बारे में अभी भी अस्पष्टता बनी हुई है। इससे यूजीसी नियमों के तहत एक स्पष्ट और लागू करने योग्य कानूनी ढांचे की तत्काल आवश्यकता है। जो यह सुनिश्चित करे, अल्पसंख्यक छात्रों के लिए शैक्षिक संसाधनों और छात्रवृत्तियों तक समान पहुंच, सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में मजबूत भेदभाव विरोधी दिशानिर्देश,अल्पसंख्यक-संबंधी शिकायतों के लिए समर्पित शिकायत निवारण तंत्र, समावेशी परिसरों को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रम, समानता के मानदंडों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के लिए सख्त अनुपालन उपाय।

ऐसी कानूनी सुरक्षा न केवल संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखेगी बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (इनईपी) 2020 के तहत परिकल्पित समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करेगी। इसलिए, मैं विनम्रतापूर्वक यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन से अनुरोध करता हूँ कि वह यूजीसी एक्ट के तहत स्पष्ट वैधानिक दिशानिर्देश और नियामक सुरक्षा उपाय बनाने पर विचार करे ताकि शिक्षा में समानता सुनिश्चित हो सके और अल्पसंख्यक छात्रों को किसी भी प्रकार के भेदभाव से बचाया जा सके।

फंदे से लटका मिला बैंककर्मी का शव

सराईकेला : सरायकेला खरसावां थाना क्षेत्र के टांगरानी गांव में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां करीब 40 साल के आलोक पड़ीहारी की लाश उनके घर में फंदे से लटकी हालत में मिली। आलोक आईडीबीआई बैंक के सरायकेला शाखा में कार्यरत थे। उनकी मौत की फैली खबर के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी। वहीं, मोहल्ले में शोक की लहर है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह आलोक पड़ीहारी अपने रोजमर्रा के काम में व्यस्त थे। उन्होंने बच्चों को स्कूल भेजने के बाद नाश्ता किया। इसके बाद उनके परिवार के अन्य सदस्य पास की नदी में नहाने के लिए गए। जब परिजन घर लौटे, तो उन्होंने आलोक को फंदे से लटका हुआ पाया। इस दृश्य को देखकर घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने तुरंत उन्हें नीचे उतारा और सरायकेला के सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रपत्र–5
(नियम 36 देखिये)
कार्यालय जिला निर्वाचन पदाधिकारी(नगरपालिका)–सह–उपायुक्त, राँची

नगरपालिका निर्वाचन
शहरी स्थानीय निकाय

निर्वाचन की सूचना

झारखण्ड नगरपालिका निर्वाचन नियमावली, 2012 के नियम 36 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए **मैं मंजूनाथ भजन्त्री, भा०प्र०से० जिला निर्वाचन पदाधिकारी(नगरपालिका)–सह–उपायुक्त, जिला राँची** इससे संलग्न अनुसूची के स्तंभ–(2) में विनिर्दिष्ट शहरी स्थानीय निकाय के ***महापौर / *अध्यक्ष / *वार्ड पार्षदों / *सदस्यों** के निर्वाचन के स्तंभ में एतद् द्वारा निम्नलिखित सूचना देता हूँ कि :–

(क) अनुसूची के स्तंभ–(4) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र के सामने स्तंभ–(7) में विनिर्दिष्ट पदाधिकारी नगरपालिका (शहरी स्थानीय निकाय) **राँची नगर निगम** के लिए ***महापौर / *अध्यक्ष / *वार्ड पार्षदों / *सदस्यों** के निर्वाचन का संचालन करने हेतु निर्वाची पदाधिकारी होगा।
(ख) निर्वाचन क्षेत्र के सामने स्तंभ (8) में विनिर्दिष्ट स्थान, तिथि और समय नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने का स्थान, तिथि और समय होगा।
(ग) निर्वाचन क्षेत्र के सामने स्तंभ (9) में विनिर्दिष्ट स्थान, तिथि और समय नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा करने का स्थान, तिथि और समय होगा।
(घ) निर्वाचन क्षेत्र के सामने स्तंभ (10) में विनिर्दिष्ट स्थान, तिथि और समय नाम निर्देशन पत्र वापस लेने का स्थान, तिथि और समय होगा।
(ङ) निर्वाचन क्षेत्र के सामने स्तंभ (11) में विनिर्दिष्ट तिथि और समय मतदान की तिथि और समय होगा।
(च) निर्वाचन क्षेत्र के सामने स्तंभ (12) में विनिर्दिष्ट तिथि और समय मतों की गणना करने की, तिथि और समय होगा।
(छ) निर्वाचन क्षेत्र के सामने स्तंभ (13) में विनिर्दिष्ट स्थान मतों की गणना का स्थान होगा।

स्थान – राँची।
राज्य निर्वाचन आयोग के आदेश से,
तारीख – 28.01.2026

* जो लागू नहीं हो उसे काट दें।

1. टिप्पणी :– यदि किन्हीं अपरिहार्य कारणों से स्तंभ (12) में अंकित तिथि और स्तंभ (13) में अंकित स्थान पर मतगणना नहीं हो सकी तो मतगणना संबंधी कार्यक्रम अलग से निर्धारित किया जा सकेगा।
2. टिप्पणी :– महापौर/अध्यक्ष के निर्वाचन हेतु वार्ड पार्षद/सदस्य के स्थान पर तदनुसार प्रविष्टि की जाएगी।

अनुसूची

अनुक्रमांक	शहरी स्थानीय निकाय का नाम *नगर निगम वर्ग 'क'	पद	निर्वाचन क्षेत्र/प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र संख्या/नाम	आरक्षित/अनारक्षित	महिला के लिये आरक्षित/अन्य	निर्वाची पदाधिकारी का नाम तथा पदनाम।	नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने का स्थान, तिथि और समय।	नाम निर्देशन पत्र संवीक्षा करने का स्थान, तिथि और समय।	नाम निर्देशन पत्र वापस लेने का स्थान, तिथि और समय।	वह तिथि तथा वह समय जिसके दौरान मतदान होगा।	मतों की गणना करने की तिथि और समय।	मतों की गणना का स्थान।
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	राँची नगर निगम वर्ग क	महापौर	xxराँची/07 राँची नगर निगम (वर्ग–क)	अनुसूचित जनजाति	अन्य	श्री संजय कुमार भगत, परियोजना निदेशक, संगेकित जनजाति विकास अभिकरण, राँची। (ITDA)	समाहरणालय राँची ब्लॉक–B कमरा सं0–411, तिथि 29.01.2026 (गुरुवार) से 04.02.2026 (बुधवार) तक समय (पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक)	समाहरणालय राँची ब्लॉक–B कमरा सं0–411, तिथि 05.02.2026 (गुरुवार) समय (पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक)	समाहरणालय राँची ब्लॉक–B कमरा सं0–411, तिथि 06.02.2026 (शुक्रवार) समय (पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक)	23.02.2026 (सोमवार) (प्रातः 07:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक)	27.02.2026 (शुक्रवार) (प्रातः 08:00 बजे से)	कृषि उत्पादन बाजार समिति, परिसर, राँची।

ह०/–
मंजूनाथ भजन्त्री,
जिला निर्वाचन पदाधिकारी(नगरपालिका)
–सह– जिला दण्डाधिकारी, राँची

PR 371959 Ranchi(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

आरक्षण की राजनीतिः योग्यता, न्याय और यूजीसी समता का जाल

भारत की आरक्षण नीति, जो कभी सामाजिक न्याय का औजार थी, आज पहचान की राजनीति और योग्यता की बहस के बीच फँस चुकी है। सवर्ण युवाओं की जाति रहित दृष्टि को व्यवस्था लगातार नकारती रही है, जबकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए समता संवर्द्धन विनियम विश्वविद्यालय परिसरों में निगरानी का एक नया तंत्र खड़ा कर रहे हैं। न्याय के नाम पर राजनीति हावी है और शिक्षा उसका मैदान बन गई है। आरक्षण की जड़ें स्वतंत्रता-पूर्व काल में हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने दलितों के ऐतिहासिक उत्पीड़न के प्रतिकार के लिए प्रतिनिधित्व की माँग उठाई। संविधान के अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण स्वीकार हुआ। 1950 के दशक में 15 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 7.5 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति तय हुआ। 1990 में मंडल आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत दिया। इंदिरा साहनी मामले (1992) में सर्वोच्च न्यायालय ने 50 प्रतिशत की सीमा तय की- यह स्वीकारते हुए कि असीम आरक्षण, योग्यता और प्रतिस्पर्धा को क्षति पहुँचा सकता है। समय के साथ बदलाव आए। 2019 के 103वें संविधान संशोधन से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण मिला-जाति से इतर आर्थिक आधार को संवैधानिक मान्यता मिली। पर अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में क्रीमी लेयर का सख़्त अनुपालन अब भी अधूरा है। नागराज मामले (2006) ने पदोन्नति में आरक्षण को वैध ठहराया, पर आँकड़ों के संग्रह को अनिवार्य किया-जो अक्सर औपचारिकता बनकर रह गया। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (2019-20) के अनुसार उच्च शिक्षा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का नामांकन 50 प्रतिशत से ऊपर है, पर ड्रॉपआउट दर 20झ25 प्रतिशत बनी हुई है। यह तथ्य तैयारी और प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में अंतर की ओर संकेत करता है, न कि केवल भेदभाव की ओर। संयुक्त प्रवेश परीक्षा और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में कोटा विवाद थमता नहीं। भारतीय अर्थव्यवस्था निगरानी केंद्र (2023) बताता है कि 70 प्रतिशत युवा जाति को अप्रासंगिक मानते हैं- खासकर सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्रों में। फिर भी प्रमाणपत्रों और अंकतालिकाओं पर जाति की मुहर चेतना पर बोझ बनती जा रही है। फौजी परिवारों तथा अंतरराज्यीय या अंतरराष्ट्रीय शिक्षा वाले युवाओं के लिए जाति एक बंद फाइल है- जिसे व्यवस्था बार-बार खोल देती है। इससे एकीकरण नहीं, सामाजिक दूरी बढ़ने की आशंका है। यह ढाँचा अमेरिकी विविधता, समता और समावेशन मॉडल से प्रेरित प्रतीत होता है, जबकि 2023 में संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च शिक्षा में नस्ल-आधारित सकारात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई। भारत जैसे जटिल सामाजिक ढाँचे में आयातित निगरानी उलटा असर डाल सकती है। जनवरी 2026 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि आरक्षित वर्ग का उम्मीदवार सामान्य कटऑफ से अधिक अंक लाता है, तो उसे योग्यता के आधार पर अनारक्षित सीट मिलेगी- आरक्षण का कोटा खाली नहीं छोड़ा जाएगा। यह इंदिरा साहनी की भावना के अनुरूप है कि आरक्षण प्रतिनिधित्व का साधन है, कोई रियायत नहीं। हालांकि, संकाय भर्ती और पदोन्नति पर इसका प्रभाव सीमित है; कुछ राज्यों में 65 प्रतिशत से अधिक आरक्षण अब भी न्यायिक समीक्षा में है। आँकड़े मिश्रित तस्वीर दिखाते हैं। उच्च शिक्षा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का नामांकन 50 प्रतिशत से अधिक है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में लगभग 49.5 प्रतिशत कोटा भरा है, जबकि निजी क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत नियुक्तियाँ योग्यता आधारित हैं। बेरोजगारी लगभग 23 प्रतिशत बनी हुई है। मूल समस्या जाति से अधिक शिक्षा की गुणवत्ता और पूर्व-तैयारी की कमी है। हरियाणा की पंचायतों में 73वें संविधान संशोधन के तहत 50 प्रतिशत महिला आरक्षण ने राजनीतिक चेतना बढ़ाई। प्रॉक्सी सरपंच जैसी समस्याएँ रहीं, पर समय के साथ निर्णय क्षमता और भागीदारी बढ़ी। अहम यह कि वहाँ निगरानी-दस्ता नहीं था; स्वाभाविक एकीकरण हुआ। यह दिखाता है कि आरक्षण सशक्तिकरण के लिए हो, स्थायी विभाजन के लिए नहीं। समाधान स्पष्ट हैं- आर्थिक आधार को मजबूत किया जाए, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आरक्षण का लक्ष्यीकरण बेहतर हो; प्रत्येक जिले में निःशुल्क पूर्व तैयारी और कोचिंग केंद्र स्थापित हों; अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में क्रीमी लेयर का सख़्त पालन हो; विश्वविद्यालय परिसरों में निगरानी के बजाय सहयोगी कार्यशालाएँ हों; हर दस वर्ष में आँकड़ों के आधार पर कोटा की समीक्षा की जाए और स्कूल स्तर पर विज्ञान, गणित और भाषा की गुणवत्ता सुधारी जाए। आज का युवा जाति से आगे देखता है- वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और स्पेसएक्स से प्रेरित है। लेकिन नीतिगत अभ्यास उसे पहचान की राजनीति में उलझा रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समता निगरानी दूरी बढ़ा सकती है। समय है कि योग्यता को प्राथमिकता दी जाए, न्याय को आर्थिक आधार दिया जाए और पंचायतों की तरह सशक्तिकरण बिना विभाजन का रास्ता चुना जाए। राष्ट्र पहले- जाति साधन हो, लक्ष्य नहीं।

विमान हादसों में नेताओं की असमय विदाईः दुर्योग या विमानन व्यवस्था की कमजोरी

> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साल 2030 तक 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल फ्यूल क्षमता हासिल करने और साल 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस बजट से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को कई उम्मीदें हैं, जो देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मजबूत बनाएंगी। सबसे पहले, ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा।

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत की राजनीतिक यात्रा बार-बार आकाशी हादसों की भेंट चढ़ती रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती विमान दुर्घटना ने एक बार फिर पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। पांच लोगों की मौत के साथ राजनीति में एक ऐसा शून्य पैदा हुआ, जिसकी भरपाई केवल संवेदनाओं से संभव नहीं। यह पहला मामला नहीं है- संजय गांधी (1980), माधवराव सिंधिया (2001), वाई.एस. राजशेखर रेड्डी (2009) जैसे उदाहरण बताते हैं कि उच्च पदस्थ नेताओं की अकाल मृत्यु बार-बार एक ही प्रश्न खड़ा करती हैः क्या विमान हादसे महज संयोग हैं, किसी साजिश का परिणाम या विमानन व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरी? भारतीय राजनीति में हवाई यात्रा अब सुविधा नहीं बल्कि जीवनरेखा बन चुकी है। चुनावी दौर में एक प्रत्याशी औसतन 120-150 सभाएँ करता है; सप्ताह में 40झ50 उड़ानें असामान्य नहीं। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से सक्रिय राज्य में बारामतीझमुंबईझदिल्ली के बीच निरंतर आवाजाही समय की मजबूरी है। ऐसे में चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टर नेताओं की पहली पसंद बनते हैं।

लेकिन यही विकल्प सबसे अधिक जोखिमपूर्ण भी हैं। आंकड़े बताते हैं कि प्राइवेट और चार्टर्ड विमानों की दुर्घटना दर कमर्शियल एयरलाइंस की तुलना में कई गुना अधिक है। कारण स्पष्ट हैं- सीमित पायलट अनुभव, पुराने विमानों का उपयोग, मौसम पर अत्यधिक निर्भरता, अस्थायी हेलीपैड और डीजीसीए की अपेक्षाकृत ढीली निगरानी।

अजित पवार की दुर्घटना हो या वाईएस राजशेखर रेड्डी का हेलीकॉप्टर हादसा या माधवराव सिंधिया का चार्टर्ड विमान- प्रारंभिक और अंतिम जाँचें बार-बार पायलट त्रुटि, तकनीकी विफलता या प्रतिकूल मौसम की ओर इशारा करती हैं।

यह भी स्पष्ट है कि नेता रेल या कमर्शियल फ्लाइट से इसलिए बचते हैं क्योंकि वे चुनावी प्रचार की गति से मेल नहीं खा पातीं।

चुनावी मौसम में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान सैकड़ों हेलीकॉप्टर और चार्टर्ड विमान किराये पर लिए गए। कई मामलों में रखरखाव प्रमाणपत्रों, पायलट रेस्ट-नॉर्म्स और हेलीपैड मानकों की अनदेखी सामने आई। राजनीतिक दलों द्वारा लिए जाने वाले तथाकथित ह्यपॉलिटिकल पैकेजह्न- कम कीमत, पुराने मॉडल- जोखिम को और बढ़ाते हैं।

एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या वास्तव में केवल नेता ही विमान हादसों में मरते हैं? उत्तर है- नहीं। भारत में हर वर्ष सैकड़ों छोटे विमान और हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनमें आम नागरिक भी मारे जाते हैं। लेकिन मीडिया का फोकस हाई-प्रोफाइल चेहरों पर टिक जाता है। यही चयन-पूर्वाग्रह है- जो दिखता है, वही पूरा सत्य लगने लगता है।

वैश्विक स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखती है। अमेरिका में जॉन एफ. कैनेडी जूनियर, यूरोप में पोलैंड के राष्ट्रपति लेह काचिंस्की, अफ्रीका और रूस में राष्ट्राध्यक्षों की हवाई दुर्घटनाएँ- हर जगह साजिश की थ्योरी पहले आती है, तथ्य बाद में। जबकि अंतरराष्ट्रीय विमानन आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश दुर्घटनाएँ मानवीय भूल और सिस्टम फेलियर का परिणाम होती हैं। दुर्भाग्य से सनसनीखेजी पत्रकारिता इन हादसों को ह्यराजनीतिक षड्यंत्रह्न में बदल देती है। इससे न केवल जांच प्रक्रिया प्रभावित होती है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी गहराता है।

समस्या मूलतः व्यवस्थागत है। डीजीसीए के पास चार्टर्ड विमानों की निगरानी के लिए संसाधन सीमित हैं। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश मौजूद हैं, पर उनका प्रवर्तन कमजोर है। पायलट प्रशिक्षण, मौसम पूर्वानुमान प्रणाली और अस्थायी हेलीपैड- तीनों में गंभीर सुधार की जरूरत है।

अब समय आ गया है कि शोक के बाद भूलने की परंपरा छोड़ी जाए। इसके लिए कुछ ठोस और व्यावहारिक कदम अनिवार्य हैं।

सबसे पहले, राजनेताओं के लिए एक डेडिकेटेड एयर विंग विकसित किया जाना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे भारतीय वायुसेना का वीवीआईपी बेड़ा संचालित होता है, जिसमें आधुनिक हेलीकॉप्टर, उन्नत जीपीएस-रडार सिस्टम और अत्यधिक प्रशिक्षित पायलट हों। दूसरा, चुनावी मौसम में उपयोग होने वाले चार्टर्ड विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए सख्त राष्ट्रीय मानक तय किए जाएँ और उनकी रियल-टाइम डिजिटल ट्रैकिंग अनिवार्य की जाए, ताकि सुरक्षा से कोई समझौता न हो। तीसरा, नेताओं की अत्यधिक यात्रा को कम करने के लिए वर्चुअल रैलियों, डिजिटल संवाद और तकनीक आधारित प्रचार को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे अनावश्यक उड़ानों का दबाव घटे। चौथा, पायलट प्रशिक्षण, उड़ान से पहले तकनीकी जाँच और विमान रखरखाव पर जीरो-टॉलरेंस नीति अपनाई जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वाली प्राइवेट कंपनियों पर कठोर दंड लगाया जाए। अंततः, मीडिया के लिए भी जिम्मेदार रिपोर्टिंग संबंधी स्पष्ट गाइडलाइंस तय हों, ताकि हर विमान हादसे को साजिश में बदलने की प्रवृत्ति पर रोक लग सके।

नेताओं की असमय मृत्यु केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती- वह सत्ता संतुलन, नीतिगत निरंतरता और लोकतांत्रिक भरोसे को भी चोट पहुँचाती है। अजित पवार, वाई.एस.आर. या संजय गांधी- हर हादसा हमें चेतावनी देता है। विमान दुर्घटनाएँ साजिश नहीं बल्कि लापरवाही, दबाव और कमजोर व्यवस्था का परिणाम हैं। अगर आज सुधार नहीं हुआ तो कल शोक केवल दोहराया जाएगा।

लोकतंत्र के पायलटों को सुरक्षित आकाश चाहिए- यह केवल एक भावनात्मक नारा नहीं बल्कि समय की ठोस माँग है। बार-बार होने वाले विमान और हेलीकॉप्टर हादसे यह स्पष्ट कर चुके हैं कि समस्या किसी एक नेता, एक दल या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी राजनीतिक यात्रा-संस्कृति और विमानन व्यवस्था की गहरी संरचनात्मक कमजोरी से जुड़ी है।

जब लोकतंत्र के प्रतिनिधि असुरक्षित साधनों से यात्रा करने को मजबूर होते हैं तो उसका दुष्परिणाम केवल एक परिवार या दल नहीं बल्कि पूरे शासन तंत्र को भुगतना पड़ता है।

नेताओं की असमय मृत्यु सत्ता में शून्य, नीतियों में अस्थिरता और जनता के भरोसे में दरार पैदा करती है। इसके साथ ही साजिश की अफवाहें लोकतांत्रिक संस्थाओं को और कमजोर करती हैं। इसलिए जरूरत इस बात की है कि हर हादसे के बाद संवेदना व्यक्त कर आगे बढ़ जाने के बजाय ठोस सुधारों को राजनीतिक इच्छाशक्ति से जोड़ा जाए। सुरक्षा मानकों में ढील, निगरानी की कमजोरी और जल्दबाजी में भरी गई उड़ानें घातक साबित हो सकती हैं। सुधार आज होंगे, तभी कल शोक की पुनरावृत्ति रुकेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शिक्षा बजट में समाज-विज्ञानों पर ध्यान देने की जरूरत

> आम जनता में भी यही क्रम प्रचारित-प्रसारित होता रहा और यही छवि स्वीकार की गई। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आर्थिक दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण माना गया। इस कारण छात्रों और उनके अभिभावकों की रुझान भी इसी दिशा ओर बढ़ती रही। इसी वरीयता क्रम के साथ सरकार की ओर से शिक्षा के लिए संसाधन भी मुहैया किए जाते रहे।

गिरीश्वर मिश्र

अंग्रेजों से स्वतंत्रता मिलने के समय भारत को एक पिछड़ा और तीसरी दुनिया का देश मान कर उसके लिए ह्यविकासह्न को जरूरी कदम ठहराया गया। इस क्रम में विकास को पश्चिमी देशों की स्थिति के अनुसार पहचाना और परिभाषित किया गया। इसके अनुरूप विकसित भारत के रूपांतरण के लिए आधुनिक भारत में शिक्षा की योजना में प्राकृतिक विज्ञानों और प्रौद्योगिकी पर ज्यादा बल दिया जाता रहा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण या मनोवृत्ति (साइंटिफिक टेम्पर) अपनाने की बात भी की जाती रही है। इसके लिए अभियान भी चले। आज भी यह फैशन में है और बहुतों की नजर में भारतीयता या भारतीय ज्ञान संपदा वैज्ञानिक मनोभाव के लिए खतरा है। साथ ही समस्याओं के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी के अध्ययन पर भी विशेष बल दिया गया। इसी क्रम में व्यावसायिक शिक्षा के विविध पक्षों (जैसे-कानून, चिकित्सा, प्रबंधन आदि) की ओर भी ध्यान दिया गया, अनेक संस्थाएं खड़ी हुईं और अनेक उच्चस्तरीय शिक्षा संस्थानों की नींव पड़ी और इसका क्रम आगे भी जारी है।

आम जनता में भी यही क्रम प्रचारित-प्रसारित होता रहा और यही छवि स्वीकार की गई। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आर्थिक दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण माना गया। इस कारण छात्रों और उनके अभिभावकों की रुझान भी इसी दिशा ओर बढ़ती रही। इसी वरीयता क्रम के साथ सरकार की ओर से शिक्षा के लिए संसाधन भी मुहैया किए जाते रहे। सामाजिक विज्ञानों और मानविकी पर अध्ययन-अनुसंधान के लिए कोई खास तवज्जो नहीं रहा। इसके परिणामस्वरूप सामाजिक विज्ञानों के लिए आवश्यक सुविधा और अनुदान के लिए सहयोग भी अपेक्षाकृत कम मात्रा में मिलता रहा।

गौरतलब है कि समाज हर तरह के विकास की कसौटी है और लक्ष्य भी। अंततः सारी योजनाएं और आयोजन समाज की स्थिति को सुधारने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने से जुड़ी होती हैं। सामाजिक परिवर्तन को किसी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर समाज में निरंतरता और परिवर्तन दोनों होते रहते हैं। ऐसे में समाज की गतिविधि और उसकी संस्थाओं को समझना और उनमें सुधार की निरंतर जाँच पड़ताल होती रहनी चाहिए।

दरअसल, समाज का उद्विकास (इवोल्यूशन) होता है, यानी जो है उसमें से फिर पनपता है। बाहर से आरोपित होने पर वह आत्मसात नहीं हो पाता है। इसलिए बिना जाने-समझे परम्परागत ज्ञान की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। केवल प्राकृतिक विज्ञानों से ही सामाजिक विकास का लक्ष्य नहीं पूरा हो सकता। समाज भी कई स्तरों पर संचालित होता है। समुदाय, देश के अंदर, देश के बाहर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले परिवर्तन एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। इसलिए समाज विज्ञानों और मानविकी का अध्ययन आवश्यक है।

समाज गतिशील संरचना है। इसलिए समय के साथ सहयोग और संघर्ष भी बढ़ते हैं।

शिक्षा समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है और भारत में अति प्राचीनकाल से इसकी समृद्ध परम्परा रही है। यहाँ विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्र और गुरुकुल रहे हैं। जब अंग्रेज आए थे तो उन्हें भारत में एक अच्छी शिक्षा मौजूद मिली थी। परंतु उन्होंने अपने शासन को स्थापित करने के लिए देश के मानस को बदलने की जरूरत महसूस की और ऐसी शिक्षा को यहाँ रोपा जो समाज को उसकी संस्कृति से काट दे। इसलिए औपनिवेशिक शिक्षा में अंग्रेजों ने अपने हित के अनुसार भारतीय शिक्षा को उखाड़ दिया था। वह हाशिए पर पहुँच गई और उसकी जगह पश्चिमी शिक्षा को स्थापित किया था। औपचारिक रूप से उसे आजीविका से भी जोड़ दिया गया। शिक्षा का माध्यम भी विदेशी भाषा अंग्रेजी को बना दिया गया। इसका अभ्यास लगभग दो सदियों में इस तरह सुदृढ़ किया गया कि भारतीय भाषाएँ अनौपचारिक प्रयोग का विषय बनकर रह गईं और शिक्षा में आगे बढ़ने के लिए अंग्रेजी अनिवार्य हो गई। इस तरह विषय वस्तु, सिद्धांत और उसके अध्ययन और शोध के लिए माध्यम के रूप में अंग्रेजी का प्रचार-प्रसार लगातार बढ़ता गया। इस प्रक्रिया ने अंग्रेजी की प्रतिष्ठा को ठोस आधार प्रदान किया। इसने लोगों की सांस्कृतिक अभिरुचि और सांस्कृतिक ज्ञान दोनों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। उसी की व्यवस्था में भारतीय शिक्षा जकड़ती चली गई।

इस पाश्चात्य मॉडल की शिक्षा को वैश्विक मान लिया गया और उसी रूप में इसके प्रति हमारी श्रद्धा बनती गई जबकि सभी विकसित देशों में शिक्षा का आयोजन स्वाभाविक रूप से उनकी अपनी भाषा और उनकी अपनी संस्कृति से जुड़ कर ही किया जाता रहा। भारत द्वारा स्वीकार की गई नई शिक्षानीति समावेशी दृष्टि अपनाते हुए देश की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता को बौद्धिक और सामाजिक संसाधन की तरह देखती है। इसके अंतर्गत स्थानीय और राष्ट्रीय परिदृश्य को स्थान दिया गया है। यह भी एक महत्वपूर्ण संकल्प किया गया है कि मातृभाषाओं को शिक्षा प्रक्रिया के केंद्र में लाया गया है। देश में संपर्क, सौहार्द और समरसता लाने के लिए त्रिभाषा सूत्र को अमल में लाने के लिए यत्न किया जा रहा है। साथ ही शिक्षा नीति में भारत की विशाल सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय संवाद स्थापित करने का अधिकाधिक अवसर बनाया गया है। इन बातों को ध्यान में रखकर नए बजट में शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अब तक शिक्षा के लिए नगण्य प्रावधान होता रहा है। युवा भारत को कुशल और सक्षम मानव संसाधन में रूपांतरित करने के लिए उदारतापूर्वक संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। आशा है भारत सरकार इस दिशा में जरूरी व्यवस्था करेगी।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

Astrology में शनि क्यों है 'मारकेशों का राजा'

भारतीय लघुपाराशरी ज्योतिष का एक प्रमुख अंग है। यह विंशोत्तरी दशा के जरिए से फलादेश करने पर केंद्रित है। इसमें 42 सूत्रों में शुभ-अशुभ योगों, राजयोग, मारक ग्रहों के संयोग का सिद्धांत समझाता है। लघुपाराशरी के चतुर्थ आयुदार्याध्याय के श्लोक 6 के मुताबिक, 'मारकैः सह सम्बन्धान्निहन्ता पापकृच्छनिः। अतिक्रम्येतरान् सर्वान् भवत्येव न संशयः।।' यानी की पापफल देने वाले शनि ग्रह का मारक ग्रहों के साथ संबंध होने पर यह अन्य मारक ग्रहों को लांघकर खुद ही मारक हो जाता है। इसमें किसी भी तरह का संदेह नहीं करना चाहिए। यह लघुपाराशरी के चतुर्थ आयुदार्याध्याय के श्लोक 6 का मत है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पूर्व जन्म के कर्म के आधार

पर कुंडली में शनि ग्रह पीड़ित होता है और ऐसा शनि व्यक्ति को दुख देने में तत्पर होता है। वहीं शनि ग्रह के विशेष मारक प्रभाव की वजह से कुछ ज्योतिष शनि को मारक ग्रहों में राजा भी कहते हैं।

लघुपाराशरी का सिद्धांत

लघुपाराशरी का सिद्धांत के अनुसार, अगर कुंडली में शनि ग्रह मारक है, तो अन्य मारक ग्रहों के विचार की जरूरत नहीं रहती है। अगर कुंडली में शनि ग्रह मारकेशों से संबंध नहीं रखता है, तो ज्योतिषीय गणना के मुताबिक जो भी जन्मपत्री में प्रबलतम मारक ग्रह होता है, वही मरण देगा। अगर कुंडली में शनि को कम डिग्री में भी मारकत्व प्राप्त हो, तब भी शनि ही मृत्यु देने वाला होगा। हालांकि तब यह संभव है कि जबकि शनि पापी हो और त्रिकोणेश या फिर केंद्रेश होकर अगर वह त्रिषडायेश होगा, तब भी यह पापी माना जाएगा।

अगर कुंडली में शनि सप्तमेश के साथ अष्टमेश होता है, तो वह स्वयं मारक होगा। इसमें किसी तरह का संदेह नहीं है। अगर कर्क लग्न की कुंडली में ऐसी स्थिति बनती है, जहां पर शनि सप्तमेश होकर अष्टमेश भी होता है, यहां पर शनि स्वयं पापी है, या मारकेश है या फिर मारक संबंधी है। ऐसे में यह निश्चय ही मारक होगा। जब भी मारक का विचार किया जाए, तो पहले यह देखना चाहिए कि आयु काल के किस खण्ड तक है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि जातक की साधारण आयु किस श्रेणी में आ रही है।

तीन श्रेणी में देखी जाएगी आयु

बता दें कि ज्योतिष शास्त्र में आयु को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। जिसमें दीघार्यु, मध्यायु और अल्पायु है। ऐसे में सबसे पहले यह देखना चाहिए कि जातक की साधारण आयु किस श्रेणी तक है।

रेसिपी

बच्चे भी मांगकर खाएंगे पालक

जब भी घर में हरी सब्जियां बनाने की बात आती हैं, तो बच्चे अपनी नाक सिकोड़ने लगते हैं। इसके बाद लोगों के लिए यह बड़ी चुनौती बन जाती है कि बच्चों को पौष्टिक सब्जी कैसे खिलाएं। पालक में मौजूद आयरन, कैल्शियम और विटामिन का बेहतरीन स्रोत है। ज्यादातर महिलाएं बच्चों को पालक पराठा, पूड़ी या फिर पकौड़ी बनाती है। अब आप अपने बच्चों के लिए पालक चना की सब्जी बना सकती हैं। इस रेसिपी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें पालक का कसैलापन छिप जाता है। आइए आपको पालक चने से बनने वाली सब्जी की रेसिपी बताने जा रहे हैं।

पालक-चना की सब्जी बनाने की रेसिपी

- इसके लिए आप सबसे पहले पालक को उबाल लें।
- अब इसको छानकर मिक्सर ग्राइंडर में डालकर ऊपर से आधा कटोरी दही मिलाएं और चलाएं।
- फिर इस तैयार किए हुए पेस्ट को कटोरे में निकाल लें।
- अब आप गैस ऑन कर कड़ाही चढ़ाए और इसमें 2 चम्मच सरसों का तेल डालें।
- गर्म होने के बाद इसमें जीरा, हींग, प्याज, हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक पकाएं।
- अब इसमें लाल मिर्च, गरम मसाला, धनिया, हल्दी और नमक डालकर मिलाएं।
- इसके साथ ही थोड़ा-सा पानी मिलाकर 3-4 मिनट तक भून लीजिए, जब तक मसाला तेल न छोड़ने लगे।
- अब आप पालक और दही की प्यूरी डालें और ढककर 5 मिनट तक पकाएं।
- इसमें अब प्रेशर कुक किए हुए काले चने और कसूरी मेथी मिलाएं और चलाएं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

जिला स्तरीय दो दिवसीय कृषि मेला फल और सब्जी का प्रदर्शनी

साहिबगंज : जिला मुख्यालय से महज एक किलोमीटर की दूरी में कृषि विभाग कार्यालय परिसर में शुक्रवार को जिला स्तरीय दो दिवसीय कृषि मेला फल और सब्जी का प्रदर्शनी लगाया जा रहा है इस संदर्भ में कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक का ने बताया कि इस प्रदर्शनी में उन्नत खेती गेहूं मक्का अरहर एक नर्सरी प्राकृतिक उत्पाद मशरूम उत्पादन मधुमक्खी पालन सहित कई फसल का स्टॉल लगाया गया है जबकि किसानों और आम जनता को भी इस खेती करने के लिए उत्साहित भी किया जाएगा इस मेला का उद्घाटन उपायुक्त हेमंत सती के द्वारा दोपहर 12:00 बजे करेंगे।समाचार लिखे जाने तक स्लॉट में उन्नत खेती का फल सब्जी लगाया जा रहा था।

फाइनल मैच का हुआ शुभारंभ

साहिबगंज : बरहेट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कुसमा स्कूल घुटू फुटबॉल मैदान मे तीन दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट मैच का फाइनल ऐफ सी सोरेन स्टार बनाम ऐफ सी खैरीगढ छुछी के बीच खेला गया जिसमें ऐफ सी सोरेन स्टार विजेता बना।इस फाइनल मैच के मुख्य अतिथि झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी झामुमो जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अली अंसारी शामिल हुए।सर्व प्रथम सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए फुटबॉल को किक मारकर फाइनल मैच का शुभारंभ किया। विजेता टीम को पुरस्कार राशि प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी एवं जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी ने पचास हजार रुपए देकर पुरस्कृत किया उपविजेता टीम को मुजिबुर रहमान एवं मोहम्मद अली ने चालिस हजार रूपए देकर पुरस्कृत किया। सेमीफाइनल में हारने वाली टीम को क्रमशः दस -दस हजार रुपए मुखिया देव सोरेन लुखिराम हेंब्रम,सुनिराम हांसदा ने देकर पुरस्कृत किया। मौके पर पंचायत अध्यक्ष होपना सोरेन,तोनोल किस्कू समदा सोरेन, मैनूल हक,पुसा टुडू,बेला किस्कू,मरांग हेंब्रम,रेजाउल रहमान,हिंकू हांसदा, सहित अन्य मौजूद थे।

झामुमो के लिटीपाडा विधायक हेमलाल मुर्मू क्षेत्र भ्रमण के दौरान बरहेट पहुंचे

साहिबगंज/बरहेट : दो फरवरी को होने वाले झामुमो का स्थापना दिवस के आयोजन को लेकर झामुमो के लिटीपाडा विधायक हेमलाल मुर्मू क्षेत्र भ्रमण के दौरान बरहेट पहुंचे।जहाँ झामुमो प्रखंड समिति के कार्यकताओं ने श्री मुर्मू का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।श्री मुर्मू ने सभी कार्यकताओं का हाल-चाल पूछा और दो फरवरी को होने वाले पार्टी के स्थापना दिवस को लेकर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी से राय मशविरा किया।मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य विकास मुर्मू,लुखिराम हेंब्रम,राजेन्द्र ठाकुर,अब्दुल मजीद,रफीक अंसारी,आरिफ अंसारी,सुनील मरांडी,जलालुद्दीन अंसारी,महमूद अंसारी,अमजेद अंसारी,इस्लाम अंसारी,प्रिंस गुप्ता,प्रो हासिम अख्तर सहित अन्य मौजूद थे।

नामांकन प्रक्रिया पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराई जाए : उपायुक्त

दुमका : नगर पालिका आम निर्वाचनझ2026 के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने गुरुवार को नगर परिषद् दुमका के अध्यक्ष एवं वार्ड सदस्य पद हेतु गठित निवार्ची पदाधिकारी कोषांगों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नामांकन से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा निवार्ची पदाधिकारी से नामांकन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने प्रपत्रों की उपलब्धता, नामांकन प्रपत्रों की बिक्री की स्थिति एवं नामांकन प्रक्रिया के दौरान आने वाली चुनौतियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों एवं नियमों का अक्षरशः पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि नामांकन प्रक्रिया पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराई जाए, ताकि नगर पालिका आम निर्वाचनझ2026 को शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके।

3 फरवरी से आयोजित होगी वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में गुरुवार को जिले केउपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में तीन फरवरी से प्रारंभ होने वाली वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षाझ2026 के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा के सुचारू, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन को सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने जानकारी दी कि वार्षिक माध्यमिक परीक्षा के लिए कुल 59 परीक्षा केंद्र तथा इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए 35 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। अधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों के साथ हुई इस बैठक में परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छ वातावरण, समयबद्ध प्रश्नपत्र वितरण, उत्तर पुस्तिका के सुरक्षित संग्रहण एवं परीक्षार्थियों की सुविधा से संबंधित विषयों की गहन समीक्षा की गई।उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जाए। उन्होंने माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा को कदाचारमुक्त बनाए रखने तथा विधि-व्यवस्था संधारित रखने के लिए परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने का निर्देश दिया।बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा के दौरान अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी तथा परीक्षार्थियों की गहन जांच सुनिश्चित की जाएगी।बताया गया कि प्रथम पाली में माध्यमिक एवं द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा आयोजित होगी। माध्यमिक परीक्षा का समय प्रातः 9:45 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक तथा इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) की परीक्षा अपराह्न 2:00 बजे से सायं 5:15 बजे तक निर्धारित है। बैठक में पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं शिक्षा अधीक्षक सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

सभी अपूर्ण योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरा करें : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, जल जीवन मिशन जिला जल और स्वच्छता समिति एवं एसबीएम-जी से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक की शुरूआत में उपायुक्त ने पिछली बैठक में दिये गए निदेर्शों के अनुपालन की स्थिति की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी प्रखंडों में जलसाथियों के रिक्त पदों को ग्राम सभा के माध्यम से शीघ्र भरने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, पृथक्करण केंद्रों की कार्यप्रणाली ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इसके साथ ही उन्होंने कई महत्वपूर्ण योजनाओं साहिबगंज मेगा जलापूर्ति योजना साहिबगंज शहरी जलापूर्ति योजना, तालझारी पूर्ण कवरेज ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना बोरियो पूर्ण कवरेज ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजन मंडरो पूर्ण कवरेज ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना साहिबगंज गोड्डा दुमका एमभीएस की वर्तमान स्थिति प्रगति पूर्ण प्रक्रियाधीन योजनाओं और हैंडओवर लंबित योजनाओं की विस्तृत जानकारी कार्यपालक अभियंता से प्राप्त की।उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी अपूर्ण योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अब तक कितने घरों को पाइप जलापूर्ति से जोड़ा गया है।इसकी जानकारी लेते हुए उन्होंने लक्ष्य आधारित एवं गुणवत्ता युक्त कार्य निष्पादन पर जोर दिया।बैठक में जेएस एलपीएस डीपीएम मार्टिन तारिक नगर प्रशासक अभिषेक कुमार सिंह, सहायक अभियंता कनीय अभियंता, जिला समन्वयक जल जीवन मिशन स्वच्छ भारत मिशन के कर्मी उपस्थित थे।

69वीं नेशनल स्कूल गेम्स कुश्ती के लिए खिलाड़ी नई दिल्ली रवाना

संवाददाता

साहिबगंज : स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा नई दिल्ली में 31जनवरी से 4 फरवरी तक आयोजित 69वीं नेशनल विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता,अंडर 14 आयु वर्ग बालक एवं बालिका फ्री स्टाईल कुश्ती में भाग लेने के लिए जिले के चांद भैरव इनडोर स्टेडियम,साहिबगंज के खेल विभाग द्वारा संचालित खेलो इंडिया कुश्ती केंद्र के प्रशिक्षु बालिका फ्री स्टाईल 33 किलो वर्ग आर्या कुमारी,36किलो वर्ग-सीता कुमारी,39 किलो वर्ग सीमा कुमारी,42 किलो वर्ग काजल कुमारी,46 किलो वर्ग छोटी कुमारी, 54 किलो वर्ग वैष्णवी कुमारी बालक वर्ग 68किलो वर्ग प्रिंस कुमार एवं 52 किलो वर्ग नीतीश कुमार रांची में 21 से 30 जनवरी तक संपन्न विशेष प्रशिक्षण शिविर उपरांत खेलो इंडिया कुश्ती सेंटर, साहेबगंज के कोच प्रकाश सिंह बादल के साथ रांची से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए।उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा परियोजना निदेशक आई टी डी ए संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष समेत जिले के खेल प्रेमियों ने शुभ कामना दी।

पीएचईडी विभाग की उदासीनता का शिकार आम जनता

घर में घुसा पानी अनाज सहित कई सामान पानी में डूबा

संवाददाता

साहिबगंज : इन दोनों जिला प्रशासन के द्वारा पेयजल योजना को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक पर बैठक करते आ रहे हैं फिर भी आम जनता का हाल ठीक नहीं है।वही नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत सदर प्रखंड कार्यालय स्थित हटिया परिसर वार्ड नंबर 5 में पीएचईडी के द्वारा पानी का पाइप बिछाया गया था जो अचानक शुक्रवार की सुबह करीब 6:00 बजे पाइप से पानी बहने लगा।चारो तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा था।वही पानी गरीब जनता के घर में पानी प्रवेश हो जाने से आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।इस संबंध में पूर्व वार्ड पार्षद के पति मोहम्मद चुन्नू खान ने बताया कि पीएचडी विभाग के द्वारा यह पानी का पाइप बिछाया गया था।जो बिछाने के बाद पाइप का छेद बंद नहीं किया था। जिस कारण से पानी चलते ही इस छेद से पानी निकलना शुरू हो गया।देखते ही देखते पानी घर में प्रवेश हो गया जिससे घर में रखें अनाज पूर्ण तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।इसकी जानकारी पीएचडी विभाग को दिया गया।लेकिन खबर भेजे जाने तक ना ही पानी बंद हुआ है ना ही कोई कर्मचारी यहां पहुंचा है यह तो जिला प्रशासन की साफ उदासीनता दशार्ती है।आखिर गरीब जनता जाए तो जाए कहां यह बात भी सोचने वाली है समाचार लिखे जाने तक पानी बह ही रहा था।

उप विकास आयुक्त ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान

संवाददाता

देवघर : जिले के उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में राजस्व से संबंधित, जमीन अतिक्रमण, हिट एंड रन केस, वृद्धा पेंशन योजना, सोलर पंप वितरण, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना उप विकास आयुक्त के समक्ष रखा। साथ ही उप विकास आयुक्त श्री सिन्हा द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उप विकास आयुक्त श्री सिन्हा ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके। ज्ञात हो कि आम जनता की समस्याओं के त्वरित निष्पादन हेतु प्रति सप्ताह मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार को समाहरणालय में पूर्वाह्न 10:30 से 11:30 बजे जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है।

निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए गये

संवाददाता

साहिबगंज : नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के अंतर्गत नामांकन प्रक्रिया के प्रथम दिन गुरुवार को जिले के साहिबगंज नगर परिषद,राजमहल नगर पंचायत एवं बरहरवा नगर पंचायत हेतु अभ्यर्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक अध्यक्ष व वार्ड पार्षद पद के लिए नामांकन पत्रों का क्रय किया गया।जहां निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न पदों के लिए नामांकन पत्रों की बिक्री शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। जहां निर्वाचन कार्य में सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं। अभ्यर्थियों व उनके समर्थकों द्वारा निर्वाचन आयोग के दिशा निदेशों का पालन किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार साहिबगंज नगर परिषद क्षेत्र से अध्यक्ष पद के लिए 3 प्रत्याशियों में से रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान,अशोक कुमार तुरी एवं पंकज रजक ने समाहरणालय स्थित निवार्ची पदाधिकारी अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत के कार्यालय में उपस्थित होकर अपना नामांकन पत्र खरीदा।उधर नगर परिषद क्षेत्र में वार्ड पार्षद पद के लिए वार्ड संख्या 1 से 7 के लिए 8 प्रत्याशी,वार्ड संख्या 8 से 14 के लिए 7 प्रत्याशी, वार्ड संख्या 15 से 21 के लिए 10 प्रत्याशी एवं वार्ड संख्या 22 से 28 के लिए 10 प्रत्याशी ने अपना नामांकन पत्र खरीदा।वही नगर पंचायत,राजमहल क्षेत्र से अध्यक्ष पद के लिए 3 प्रत्याशी,वार्ड पार्षद पद के लिए वार्ड संख्या 1 से 7 के लिए 14 प्रत्याशी एवं वार्ड संख्या 8 से 14 के लिए 12 प्रत्याशी ने निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अपना नामांकन पत्र खरीदा।वही नगर पंचायत,बरहरवा क्षेत्र से अध्यक्ष पद के लिए 5 प्रत्याशी,वार्ड पार्षद पद के लिए वार्ड संख्या 1 से 7 के लिए 16 प्रत्याशी एवं वार्ड संख्या 8 से 14 के लिए 15 प्रत्याशी ने निवार्ची पदाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अपना नामांकन पत्र खरीदा।जहां जिला प्रशासन के द्वारा नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।उधर गुरुवार को नामांकन पत्र के प्रथम दिन किसी भी अभ्यर्थी द्वारा नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया।जहां जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि एवं समय सीमा के भीतर नामांकन पत्र क्रय एवं नामांकन दाखिल करने कि अपील कि गई है।

शब्द नहीं, भावनाएँ बोलेंगी: अदिति राव हैदरी की गांधी टॉक्स

अदिति राव हैदरी अपनी अगली फिल्म गांधी टॉक्स के साथ अब तक का सबसे अलग कदम उठा रही हैं। यह एक साइलेंट फिल्म है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं है और कहानी पूरी तरह भावनाओं और अभिनय के ज़रिए आगे बढ़ती है। अदिति उन अभिनेत्रियों में से नहीं हैं जो चलन के पीछे भागती हैं। उन्होंने हमेशा ऐसी फिल्में चुनी हैं जहाँ अभिनय और कहानी को ज़्यादा अहमियत दी गई हो। गांधी टॉक्स भी उसी सोच का हिस्सा है। इस फिल्म में अदिति को बिना संवाद के अपने चेहरे, आँखों और भावों के ज़रिए किरदार निभाते देखा जाएगा। साइलेंट फिल्म में कलाकार के पास छुपने की कोई जगह नहीं होती, और अदिति इस चुनौती को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनाती नज़र आती हैं। फिल्म में उनके साथ विजय सेतुपति हैं। ट्रेलर में दोनों की केमिस्ट्री साफ़ नज़र आती है। ए. आर. रहमान का संगीत फिल्म की भावनाओं को और गहराई देता है, जबकि निर्देशन किशोर पांडुरंग बेलेकर ने किया है। गांधी टॉक्स भले ही एक अलग तरह की फिल्म हो, लेकिन अदिति राव हैदरी के करियर को देखते हुए यह फैसला बिल्कुल स्वाभाविक लगता है। यह फिल्म 30 जनवरी 2026 को दुनियाभर में

सैन्य अधिकारी की

पत्नी का रोल एक अलग अनुभव: चित्रांगदा सिंह

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया। एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी। लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, 'मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था। लेकिन एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया।' चित्रांगदा ने आगे कहा, 'ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है। फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी। 'बैटल ऑफ गलवान' 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

फिल्ममेकर एटली ने आगामी फिल्म को लेकर दिया अब तक का सबसे बड़ा संकेत

भारतीय सिनेमा के सबसे प्रभावशाली और वैश्विक पहचान बनाने वाले निर्देशकों में शुमार एटली ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट साझा किया है। इस मेगा प्रोजेक्ट में स्टार आइकन अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण पहली बार साथ नज़र आएंगे, जिसे लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। 'जवान' जैसी ऐतिहासिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल फिल्म के बाद, जिसने मेनस्ट्रीम भारतीय सिनेमा की ग्लोबल पहुंच को नई परिभाषा दी, एटली अब पूरी तरह से अपने अगले ड्रीम प्रोजेक्ट की तैयारियों में जुटे हुए हैं। एक ऐसे पैन-इंडिया स्पेक्टेकल के तौर पर देखा जा रहा है, जिसकी सोच और स्केल दोनों ही वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किए जा रहे हैं। हाल ही में एक इवेंट के दौरान एटली ने फिल्म को लेकर बढ़ती जिज्ञासा पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'हर दिन हम कुछ नया खोज रहे हैं। मुझे पता है कि हर कोई इस फिल्म के बारे में जानना चाहता है। सच कहूं तो दर्शकों से भी ज़्यादा मैं खुद इस फिल्म के बारे में सब कुछ बताने के लिए एक्साइटेड हूं। हम इसकी तैयारी में कई रातें बिना सोए गुज़ार रहे हैं। हम सभी के लिए कुछ बहुत बड़ा तैयार कर रहे हैं। और जब यह पूरा होगा, तो यकीन मानिए, हर कोई इसे देखकर काफी एंजॉय करेगा। एटली के इस बयान के बाद से ही इंडस्ट्री और फैंस के बीच फिल्म को लेकर चर्चाएं और तेज़ हो गई हैं। दो बड़े सिनेमाई पावरहाउस का महासंगम है, जहां एक तरफ एटली, जो भावनाओं से भरपूर और मास अपील वाली ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, और दूसरी तरफ अल्लू अर्जुन, जिनकी स्टार पावर और पैन-इंडिया लोकप्रियता भाषा की सीमाओं से परे है। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक, इस फिल्म को ऐसे भव्य स्तर पर बनाया जा रहा है, जो सिर्फ घरेलू दर्शकों तक सीमित नहीं रहेगा। इसकी कहानी, विजुअल्स और प्रोडक्शन वैल्यूज़ को खास तौर पर ग्लोबल ऑडियंस को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया जा रहा है। भावनात्मक गहराई और हाई-ऑक्टेन मनोरंजन को संतुलित करने में एटली की महारत उन्हें ऐसे निर्देशक के रूप में स्थापित करती है, जो देशी संवेदनाओं और अंतरराष्ट्रीय सिनेमाई भाषा, दोनों को बखूबी समझते हैं।

श्रिया सरन ने फ्रेंचाइजी के आखिरी पार्ट को लेकर जताई खुशी

'दृश्यम 3' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म को लेकर अभिनेत्री श्रिया सरन ने बात की। उन्होंने फिल्म की कहानी को लेकर एक बड़ा हिंट दिया है...

'मलयालम से अलग है हिंदी दृश्यम 3 की कहानी'

क्राइम-थ्रिलर 'दृश्यम' अपने तीसरे पार्ट के साथ फिर लौट रही है। 'दृश्यम 3' मलयालम के साथ हिंदी में भी शुरू हो चुकी है। एक बार फिर विजय सालगांवकर (अजय देवगन) अपनी फैमिली के साथ वापस लौट रहे हैं। अब फिल्म को लेकर अभिनेत्री श्रिया सरन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के अपने सफर को इमोशनल बताते 'दृश्यम 3' के बारे में बात की है।

दस साल पहले शुरू हुई थी पहले पार्ट की शूटिंग

बात करते हुए श्रिया सरन ने 'दृश्यम 3' को लेकर खुशी जताई। 'दृश्यम' की दुनिया में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। इस बार, कहानी असाधारण रूप से अच्छी तरह से लिखी गई है, बहुत कसी हुई और दिलचस्प है। यह फ्रेंचाइजी का आखिरी पार्ट है। हम अभी इसकी शूटिंग कर रहे हैं। यह मेरे लिए एक बेहद भावुक सफर है क्योंकि जब मैंने हाल ही में फिल्म देखी, तो मुझे एहसास हुआ कि पहला भाग दस साल से भी पहले शूट किया गया था। हम सब बहुत बदल गए हैं। मैं तब से बहुत बदल गई हूं।'

इस वजह से बाकी फिल्मों से अलग है 'दृश्यम'

श्रिया ने बताया कि दृश्यम को जो बात सबसे अलग बनाती है, वह सस्पेंस जॉनर में कहानी को अलग तरह से कहने की कला है। मुझे याद नहीं कि किसी मिस्ट्री फ्रेंचाइजी के तीन पार्ट हों। हमने ड्रामा सीरीज तो देखी हैं, लेकिन एक मिस्ट्री फ्रेंचाइजी, जिसमें पूरी कहानी एक छोटी सी घटना के इर्द-गिर्द घूमती हो, यह कमाल है। यकीन मानिए तीसरा पार्ट बेहद

ताहा ने साझा किया भावुक नोट

'हीरामंडी' और 'पारो' स्टार ताहा शाह बदुशा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक बेहद भावनात्मक और दिल को छू लेने वाला पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने फैंस को उनके सफर में लगातार साथ देने के लिए धन्यवाद कहा है। फिलहाल एक कैंडिड तस्वीर के साथ लिखे गए इस रिफ्लेक्टिव कैप्शन ने कई लोगों के दिलों को छू लिया है, जिसमें ताहा ने यह खूबसूरती से बताया कि उनका यह सफर कभी भी अकेले का नहीं रहा। अपने नोट में ताहा ने लिखा है, 'मैंने यह सफर कभी अकेले तय नहीं किया क्योंकि यह कभी सिर्फ मेरा था ही नहीं। 'ताहा शाह बदुशा द्वारा लिखे गए ये शब्द फैंस के बीच तुरंत गूंजने लगे। सिर्फ यही नहीं इन शब्दों के साथ उन्होंने कैंपस विज़िट्स के दौरान बिताए पलों का ज़िक्र करते हुए यह भी लिखा कि वहां तालियों की गूंज, सेल्फी और उत्साह से भरे चेहरे उन्हें अपने ही युवा रूप की याद दिलाते हैं, जो उम्मीदों से भरा था, थोड़ा बेचैन था, लेकिन सपनों को छोड़ने के लिए तैयार न हों।

ताहा के मुताबिक, ऐसे पल उन्हें यह एहसास कराते हैं कि उनका सपना अब सिर्फ उनका नहीं रहा। उन्होंने आगे लिखा, 'जो कभी एक अकेले का सपना था, आज कई लोगों का हो गया है। सपने वही हैं, बस टाइमलाइन अलग है। 'इन शब्दों के जरिए उन्होंने अपने और अपने फैंस के बीच मौजूद साझा संघर्षों और आकांक्षाओं को बेहद सादगी से बयान किया। इस पोस्ट को फैंस से खूब प्यार और सराहना मिली। कई लोगों ने ताहा की विनम्रता और ईमानदारी की तारीफ की, वहीं कुछ ने उनकी इस बात के लिए प्रशंसा की कि उन्होंने अपने सफर में फैंस की भूमिका को खुले दिल से स्वीकार किया और अपनी भावनात्मक सच्चाई साझा की। अपनी ज़मीन से जुड़े स्वभाव और मेहनत के लिए पहचाने जाने वाले ताहा शाह बदुशा न सिर्फ अपने काम के जरिए, बल्कि ऐसे सच्चे और भावुक पलों के ज़रिए भी दर्शकों से एक गहरा रिश्ता बनाते जा रहे हैं। उनका यह दिल से किया गया आभार इस बात की याद दिलाता है कि सफलता कभी अकेले नहीं मिलती और न अकेले की होती है। इसके पीछे अनगिनत दुआएं, भरोसा और साझा सपने होते हैं।

रानी मुखर्जी ने की 'मर्दानी' की 'अम्मा' की तारीफ

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में वो एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापस लौट रही हैं। फिल्म में रानी की तो चर्चा हो ही रही है, लेकिन फिल्म में 'अम्मा' का किरदार निभाने वाली मल्लिका प्रसाद ट्रेलर सामने आने के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। अब रानी मुखर्जी ने मल्लिका प्रसाद को लेकर बात की और फिल्म की कास्टिंग के बारे में भी बताया।

कास्टिंग के बारे में की बात

बातचीत के दौरान रानी ने फिल्म की कास्टिंग प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने खुलासा किया कि अंतिम फैसला हमेशा आदित्य चोपड़ा का ही होता है। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वह कलाकारों का चयन इस आधार पर करते हैं कि वे कौन हैं और कहां से आते हैं। उनके अलावा, शानू, जो फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर है, निर्देशक और बाकी

डिकॉक के तूफानी शतक से साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी 20 में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया, सीरीज जीती

क्विंटन डिकॉक के विस्फोटक शतक की बदौलत साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल में सात विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज अपने नाम कर ली। सुपरस्पोर्ट पार्क में खेले गए इस मुकाबले में डिकॉक ने उधार के बल्ले से ऐसी पारी खेली, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 221 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करते हुए डिकॉक शानदार लय में नजर आए और उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के सामने कैरेबियाई गेंदबाज बेबस दिखे। साउथ अफ्रीका ने 15 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 33 वर्षीय डिकॉक ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 49 गेंदों में 115 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 10 छक्के जड़े। यह साउथ अफ्रीका का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा। इससे पहले 2023 में इसी मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ ही 259 रन का लक्ष्य हासिल किया गया था, जिसमें डिकॉक ने 44 गेंदों में 100 रन की पारी खेली थी।मैच के बाद डिकॉक ने खुलासा किया कि वह अपने कुछ बल्ले घर पर ही भूल गए थे और उन्होंने युवा खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस से बल्ला उधार लिया था। डिकॉक ने कहा, ह्यमैंने गलती से अपने कुछ बैट घर छोड़ दिए थे। सेंचुरियन में प्रोटियाज रंगों में फिर से बल्लेबाजी करना खास अनुभव रहा। यह मैदान हमेशा से हाई-स्कोरिंग रहा है। डिकॉक ने ryan रिकेल्टन के साथ दूसरे विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की। रिकेल्टन ने 36 गेंदों में नाबाद 77 रन बनाए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल 2026 के फाइनल में मारी एंट्री, यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

वडोदरा : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने विमेंस प्रीमियर लीग 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में जगह पक्की कर ली है। सीजन के 18वें मुकाबले में आरसीबी ने यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ आरसीबी के 8 मैचों में 12 अंक हो गए हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचकर सीधे फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। वहीं, सात मैचों में पांचवीं हार के बाद यूपी वॉरियर्स की प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई हैं। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूपी वॉरियर्स की शुरूआत मजबूत रही। कप्तान मेग लैनिंग और दीप्ति शर्मा ने पहले विकेट के लिए 8.1 ओवर में 74 रन जोड़े। लैनिंग 30 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि दीप्ति शर्मा ने 43 गेंदों में 55 रनों की जुझारू पारी खेली। हालांकि, इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका और यूपी की टीम 8 विकेट पर 143 रन ही बना सकी। आरसीबी की ओर से नादिन डी क्लार्क ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि ग्रेस हैरिस ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी को ग्रेस हैरिस और स्मृति मंधाना ने विस्फोटक शुरूआत दिलाई। दोनों ने 108 रनों की साझेदारी कर मुकाबला एकतरफा बना दिया। हैरिस ने 37 गेंदों में 75 रनों की तूफानी पारी खेली, जबकि स्मृति मंधाना ने 27 गेंदों में 54 रन बनाकर टीम को 13.1 ओवर में ही जीत दिला दी। इस जीत के साथ आरसीबी ने खिताबी मुकाबले में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने पार्क स्ट्रीट इलेक्ट्रिक रिसीविंग सब-स्टेशन का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री गुप्ता ने आज पार्क स्ट्रीट इलेक्ट्रिक रिसीविंग सब-स्टेशन (आरएसएस) का उद्घाटन किया। यह इलेक्ट्रिक रिसीविंग सब-स्टेशन प्रमुख मेट्रो कॉरिडोर्स में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन राजधानी में निरंतर विश्वस्तरीय पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कैंपस में पौधरोपण करते हुए यह संकल्प भी दोहराया कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलें। इस अवसर पर दिल्ली मेट्रो के अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि पार्क स्ट्रीट आरएसएस का निर्माण मूल रूप से 2010 में दिल्ली मेट्रो के दूसरे चरण के दौरान डीएमआरसी एयरपोर्ट लाइन और लाइन-6 (वायलेट लाइन) को बिजली

आपूर्ति करने के लिए किया गया था। 2021-22 के दौरान, सेंट्रल विस्टा परियोजना के निर्माण को सुगम बनाने के लिए इसको आरएसएस पर स्थानांतरित कर दिया गया। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा उपलब्ध कराई गई वैकल्पिक भूमि पर एक नए आरएसएस का पुनर्निर्माण 2023 में शुरू हुआ, जो दिसंबर 2025 में पूरा हुआ, जिसमें इंद्रप्रस्थ से आरके आश्रम मार्ग तक सेंट्रल-विस्टा मेट्रो लाइन की बिजली आवश्यकता का उचित ध्यान रखा गया।सभी प्रमुख मौजूदा विद्युत उपकरणों को पुनः स्थापित करके चालू कर दिया गया है, जिनमें 66 केवी पावर ट्रांसफार्मर, 66 केवी जीआईएस पैनल, 33 केवी पैनल और 25 केवी जीआईएस पैनल शामिल हैं। नया संयुक्त आरएसएस एयरपोर्ट लाइन और लाइन-6 की मेट्रो ट्रेनों और स्टेशनों को बिजली की आपूर्ति करेगा। इसके अलावा, आगामी सेंट्रल विस्टा मेट्रो लाइन (इंद्रप्रस्थ से आरके आश्रम मार्ग तक) के चरण-5ए विस्तार परियोजना के अंतर्गत कर्षण विद्युत आवश्यकताओं के लिए अतिरिक्त 25 केवी फीडर प्रदान किए गए हैं।

नई आरएसएस सुविधा का निर्माण नवीनतम मानकों के अनुसार किया गया है, जिसमें उन्नत सबस्टेशन ऑटोमेशन सिस्टम, ऊर्जा-कुशल वीआरएफ (वेरिएबल रेफ्रिजरेंट फ्लो) एयर कंडीशनिंग और एलईडी लाइटिंग शामिल हैं। उन्नत सुरक्षा उपायों में ट्रांसफार्मर की सुरक्षा के लिए स्वचालित अग्नि सुरक्षा प्रणाली और विद्युत पैनल शामिल हैं, जिनमें परिचालन विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से एड्रेसेबल फायर अलार्म सिस्टम भी है।

नया आरएसएस ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है और इसके प्रमाणन के लिए आवेदन किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, परिचालन की स्थिरता को और बढ़ाने तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए सोलर रूफटॉप पावर सिस्टम लगाने की योजना है। केंद्र सरकार की सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत पार्क स्ट्रीट आरएसएस का पूरा होना, आधुनिक, सुरक्षित और टिकाऊ बुनियादी ढांचे के प्रति डीएमआरसी की प्रतिबद्धता में एक और कदम है, जो दिल्ली मेट्रो के विस्तारित नेटवर्क के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करता है।

बिहार में भारत-नेपाल सीमा के सुपौल जिला अन्तर्गत एक बंग्लादेशी महिला समेत पांच गिरफ्तार

एजेंसी

सुपौल : बिहार में भारत-नेपाल सीमा के सुपौल जिला अन्तर्गत कुनौली सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने गुरुवार देर शाम एक बांग्लादेशी महिला सहित कुल पांच संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, गुरूवार की शाम सीमा चौकी कुनौली चेक पोस्ट 02 (बीपी संख्या 223 के निकट) पर ड्यूटी के दौरान तैनात कर्मियों ने कुछ व्यक्तियों को संदिग्ध अवस्था में घूमते एवं जांच से बचने का प्रयास करते हुए देखा। ड्यूटी पर तैनात पोस्ट कमांडर सहायक उप निरीक्षक (सामान्य) संजय कुमार ने तत्परता दिखाते हुए सभी को चेक पोस्ट पर बुलाकर पहचान संबंधी दस्तावेजों की मांग की। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान एती अख्तर (28 वर्ष), पुत्री हारून रशीद, निवासी गाजीपुर,

बांग्लादेश, मो शाकिब (25 वर्ष) एवं मो बिलाल (25 वर्ष) दोनों निवासी रायबरेली, उत्तर प्रदेश, प्रमोद प्रसाद (24 वर्ष) एवं रमेश कुमार निवासी सप्तरी, नेपाल के रूप में की गयी है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि सभी व्यक्ति नेपाल से भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। मो शाकिब ने दावा किया कि उसने लगभग तीन वर्ष पूर्व जॉर्डन में एती अख्तर से विवाह किया था, हालांकि विवाह से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। साथ ही बांग्लादेशी महिला के पास भारत आने के लिए कोई वैध वीजा भी नहीं पाया गया। पोस्ट कमांडर सहायक उप निरीक्षक (सामान्य) संजय कुमार ने आज बताया कि "कुनौली चेक पोस्ट पर पर ड्यूटी के दौरान एक बांग्लादेशी महिला सहित पांच संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, उनसे पूछताछ जारी है। सभी लोग संदिग्ध अवस्था में घूमते और जांच के दौरान बचते पाये गए। एसएसबी द्वारा आवश्यक कागजी कार्रवाई पूर्ण कर सभी गिरफ्तार व्यक्तियों को आगे की विधिक कार्रवाई के लिए कुनौली थाना को सौंप दिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका के डरबन में सड़क हादसा, 11 की मौत

डरबन (दक्षिण अफ्रीका) : दक्षिण अफ्रीका में डरबन के पास गुरुवार सुबह सड़क हादसे में एक बच्चे समेत कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा क्वाजुलु-नटाल में हुआ। सूचना मिलते ही राहत और बचाव कर्मचारी मौके पर पहुंचे। द साउथ अफ्रीकन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रक और मिनी बस की सीधी टक्कर में 11 लोगों की जान चली गई। कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पास के प्राथमिक उपचार केंद्र ले जाया गया। कई लोग अभी भी मिनी बस में फंसे बताए गए हैं। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनिसो डूमा ने इस हादसे में 11 लोगों के मरने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। घायलों में मिनी बस का ड्राइवर भी शामिल है। इस घटना से एक सप्ताह पहले जोहान्सबर्ग में हुए सड़क हादसे में 14 स्कूली बच्चों की मौत हो गई थी।

कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल में मौसम साफ, सुबह हल्की धुंध की संभावना

एजेंसी

कोलकाता : कोलकाता और आसपास के इलाकों में आगामी 24 घंटे के दौरान मौसम मुख्यतः साफ रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार की सुबह से शनिवार की सुबह तक आसमान साफ रहेगा, हालांकि सुबह के समय हल्की धुंध देखी जा सकती है। अधिकतम तापमान लगभग 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान करीब 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है । मौसम विभाग ने उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के लिए जारी पूवार्नुमान में बताया है कि इन क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना रहेगा। हालांकि सुबह के समय उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के सभी जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम कोहरे की स्थिति बन सकती है, जिससे दृश्यता 999 मीटर से घटकर 200 मीटर तक रह सकती है । दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और कूचबिहार जिलों के लिए मौसम विभाग ने विशेष चेतावनी जारी की है। इन जिलों में सुबह के समय एक-दो स्थानों पर घना कोहरा छाने की संभावना है, जिससे दृश्यता घटकर 199 मीटर से 50 मीटर तक रह सकती है ।

पिछले 24 घंटों में अलीपुर मौसम वेधशाला में अधिकतम तापमान 26.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह के समय आर्द्रता 92 प्रतिशत और शाम के समय 44 प्रतिशत रही। इस अवधि में किसी भी प्रकार की वर्षा दर्ज नहीं की गई । मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है और स्थिति लगभग समान बनी रह सकती है।

मुख्यमंत्री साय आज से दो दिवसीय नारायणपुर जिले के दौरे पर , करोड़ों के विकास कार्यों की देंगे सौगात

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज शुक्रवार से दो दिवसीय नारायणपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे नगरवासियों को 361 करोड़ रुपये से ज्यादा के विकास कार्यों की सौगात देंगे। प्रस्तावित विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। सड़क, अधोसंरचना, जनसुविधा और सामाजिक विकास से जुड़े ये कार्य जिले के दूरस्थ इलाकों तक विकास की पहुंच को मजबूत करेंगे। मुख्यमंत्री साय का यह दौरा नारायणपुर के लिए विकास कार्यों की सौगात, दूरस्थ इलाकों में सरकारी योजनाओं की सीधी पहुंच, और सांस्कृतिक-सामाजिक पहचान को मजबूती देने वाला माना जा रहा है। अबूझमाड़ जैसे अति दूरस्थ अंचल तक मुख्यमंत्री की मौजूदगी से जिले में विकास को लेकर नई उम्मीद जगी है।

मुख्यमंत्री साय आज दोपहर 1 बजे हेलीकॉप्टर से तहसील हेलीपैड पहुंचेंगे। यहां से वे गढ़बेंगाल घोटूल जाकर पद्मश्री हेमचंद मांझी, पद्मश्री पंडीराम मंडावी, बुटलुराम माटरा सहित समाज प्रमुखों से भेंट करेंगे। इस संवाद को आदिवासी संस्कृति, सामाजिक सहभागिता और परंपराओं के सम्मान की दिशा में अहम माना जा रहा है।

स्टॉक मार्केट में शायोना इंजीनियरिंग की सपाट शुरूआत, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली : इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, हैवी फैब्रिकेशन, कास्टिंग, फॉर्जिंग, रिवर्स इंजीनियरिंग और टर्न-की प्रोजेक्ट मशीनरी के बिजनेस में लगी कंपनी शायोना इंजीनियरिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 144 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 144 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 137.40 रुपये के स्तर तक गिर गया। हालांकि बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसस इसकी स्थिति में सुधार भी हुआ। सुबर 11 बजे तक का कारोबार

होने के बाद कंपनी के शेयर 143 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 0.69 प्रतिशत के नुकसान में थे। शायोना इंजीनियरिंग का 14.86 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 27 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.43 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 3.33 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 9.30 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.73 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.32 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी प्लांट और मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 61 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.71 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ उछल कर 2.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 30 नवंबर 2025 तक कंपनी को 2.45 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशिया में आज आमतौर पर कमजोरी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान जोरदार बिकवाली के बाद निचले स्तर से काफी हद तक रिकवरी भी हुई। डाउ जॉन्स दिन के निचले स्तर से करीब 450 अंक सुधर कर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500

इंडेक्स भी निचले स्तर से एक सौ अंक की रिकवरी करने में सफल रहा। इस रिकवरी के बावजूद ये सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,973.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 166.36 अंक यानी 0.70 प्रतिशत टूट कर 23,691.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 196.34 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,875.22 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,171.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,071.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत डी ए एक्स इंडेक्स 513.33 अंक यानी 2.11 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 24,309.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज आम तौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स लगातार 2 दिन तक बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद आज 113.53 अंक यानी 1.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,345.73 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.15 प्रतिशत उछल कर 5,229.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 192 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,324.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.21 प्रतिशत टूट कर 4,919.48 अंक के स्तर पर आ गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 486.09 अंक यानी 1.74 प्रतिशत फिसल कर 27,482 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.19 प्रतिशत लुढ़क कर 4,108.46 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 323.65 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 32,212.62 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.45 प्रतिशत टूट कर 1,325.04 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 137.60 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 53,238 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

1 और 2 फरवरी को कश्मीर में नए पश्चिमी विक्षोभ से बारिश और बर्फबारी की संभावना -मौसम विभाग

श्रीनगर : जम्मू और कश्मीर में 1 और 2 फरवरी को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की आशंका है जिससे केंद्र शासित प्रदेश के छिटपुट और काफी विस्तृत क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। श्रीनगर स्थित मौसम विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऊंचे इलाकों में मध्यम बर्फबारी होने की संभावना है और नई बर्फ जमा हो सकती है। विभाग ने बताया कि 31 जनवरी तक मौसम अधिकतर शुष्क रहने की संभावना है, शाम तक बादल छा जाएंगे। मौसम प्रणाली के गुजरने के बाद 3 फरवरी से मौसम में सुधार होने का अनुमान है और 3 से 6 फरवरी तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। इस पूवार्नुमान को देखते हुए अधिकारियों ने यात्रियों और परिवहनकताओं को सावधानी बरतने की सलाह जारी की है। उन्हें यात्रा शुरू करने से पहले, विशेष रूप से पहाड़ी मार्गों और अंतर-जिला सड़कों पर सड़क और राजमार्ग की स्थिति के बारे में यातायात अधिकारियों से जानकारी लेने की सलाह दी गई है। अधिकारी ने बताया कि बर्फ से ढके और उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बर्फबारी के दौरान फिसलन भरे और हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में जाने से सावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि मौसम की स्थिति में संभावित बदलाव के दौरान असुविधा से बचने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सलाह का पालन करना महत्वपूर्ण है।

किश्तवाड़ के कुछ इलाकों में मोबाइल इंटरनेट सेवा निलंबित

किश्तवाड़ : जम्मू और कश्मीर गृह विभाग ने एहतियाती सुरक्षा उपाय के तौर पर किश्तवाड़ जिले के कुछ चुनिंदा इलाकों में 2ॠ 3जी, 4जीऔर 5जी सहित मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित करने का आदेश दिया है। आधिकारिक आदेश के अनुसार राष्ट्रविरोधी तत्वों द्वारा संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए किश्तवाड़ के सिंहपोरा, चिंगम और चतरू इलाकों में 29 जनवरी, 2026 को रात 12:01 बजे से 30 जनवरी, 2026 को रात 11:59 बजे तक मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। यह आदेश गृह विभाग के प्रधान सचिव चंद्रकर भारती ने जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जारी किया जो दूरसंचार सेवाओं के अस्थायी निलंबन नियम, 2024 के तहत अधिकृत अधिकारी हैं। निर्देश के अनुसार निलंबन चिन्हित प्रत्येक स्थान के छह किलोमीटर के दायरे में लागू होगा। अधिकारियों ने कहा कि उच्च गति वाली मोबाइल डेटा सेवाओं का दुरुपयोग शरारती तत्वों द्वारा किया जा सकता है जिससे सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ सकती है और केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। गृह विभाग ने कहा कि यह निर्णय भारत की संप्रभुता और अखंडता, जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के हित में लिया गया है। दूरसंचार अधिनियम, 2023 और दूरसंचार सेवा के अस्थायी निलंबन नियम, 2024 के संबंधित प्रावधानों के तहत निलंबन आदेश की औपचारिक रूप से पुष्टि कर दी गई है।

भाजपा के चुंगू ने कश्मीरी पंडितों पर विधायक शब्बीर कुले की टिप्पणी की निंदा की

श्रीनगर : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अश्वनी कुमार चुंगू ने शोपियां के विधायक शब्बीर अहमद कुले द्वारा कश्मीरी पंडितों पर की गई हालिया टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ये ₹बेहद घृणित और घोर निंदा के योग्य₹ हैं।
चुंगू ने आज जारी एक बयान में कहा, ₹हमें हाल ही में कश्मीर समर्थक विभिन्न राजनीतिक प्रतिनिधियों के निर्वासित कश्मीरी पंडितों से संबंधित सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य पर कई बयान मिले हैं। शोपिया एनसी विधायक शब्बीर अहमद कुल्ला का इस संबंध में नवीनतम बयान बेहद घृणित और घोर निंदनीय है।ह्व ह्लएक ओर तो ये राजनीतिक और धार्मिक हस्तियां दिन-रात यही दोहराती रहती हैं कि ह्यकश्मीरी पंडितों के बिना कश्मीर अधूरा हैह्व और दूसरी ओर विस्थापित समुदाय के खिलाफ हिंसक और खुलेआम आरोप लगाने का कोई मौका नहीं छोड़तीं,ह्व चुंगू ने कहा। चुंगू ने कहा, ह्लफारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, उमर फारूक-एएसी और शोपियन विधायक कुल्ला का नवीनतम बयान मुस्लिम बहुसंख्यकवाद की इसी विचारधारा का पर्याप्त प्रमाण है। हम इन बयानों की कड़ी निंदा करते हैं और इन्हें पूरी तरह से खारिज करते हैं।

पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री योगी ने बापू को किया नमन

लखनऊ : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के जीपीओ पार्क में स्थापित गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धा व सम्मान के वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बापू को नमन किया। इसके बाद कुछ क्षण मौन रहकर उन्होंने राष्ट्रपिता को स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर भी बापू को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए आमजन से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।
श्रद्धांजलि समारोह के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा महात्मा गांधी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी गई। ह्यरघुपति राघव राजारामह्व सहित अन्य भजनों की मधुर धुनों से जीपीओ पार्क गूंज उठा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एकाग्रता के साथ लगभग 15 मिनट तक बैठकर भजनों को सुना। इस दौरान उन्होंने न केवल बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की, बल्कि गांधी प्रतिमा के समक्ष सभी स्कूली बच्चों के साथ फोटो भी खिंचाई।
इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर बापू को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन। श्रद्धेय बापू का सत्यनिष्ठ आचरण, अहिंसा की उनकी अडिग साधना और मानवता के प्रति अनन्य करुणा, संपूर्ण विश्व को सदैव आलोकित करती रहेगी। आइए, बापू के आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें।'
कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, जय देवी, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे। सभी ने राष्ट्रपिता के चित्र व प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ सीकेके रिटेल मार्ट का आईपीओ , छह फरवरी को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली : पैकेज्ड एग्रो कमोडिटी के डिस्ट्रीब्यूशन का काम करने वाली कंपनी सीकेके रिटेल मार्ट का 88.02 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 3 फरवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 4 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 5 फरवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 6 फरवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 155 रुपये से लेकर 163 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। सीकेके रिटेल मार्ट के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,60,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 54 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 67 करोड़ रुपये के 41,34,400 नए शेयर और 16 करोड़ रुपये के 9,92,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए वनव्यू कॉरपोरेट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं एसवीसीएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

धनबाद में स्वर्णकार कारीगर संघ का दो दिवसीय निर्जला उपवास

गोल्ड कंट्रोल एक्ट समेत एक्साइज ड्यूटी लागू करने की मांग

संवाददाता

धनबादः गोल्ड और चांदी की आसमान छूती कीमतों एवं अनियंत्रित बाजार व्यवस्था के विरोध में स्वर्णकार कारीगर संघ ने आंदोलन का रास्ता अपनाया है। भारत सरकार से गोल्ड कंट्रोल एक्ट और एक्साइज ड्यूटी लागू करने, सोना-चांदी को शेयर मार्केट से बाहर रखने और व्यापारियों एवं कारीगरों के पास सीमित मात्रा में ही कीमती धातु रखने का नियम लागू करने की मांग की गई है। जिसे लेकर धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर दो दिवसीय निर्जला उपवास शुरू किया गया है।

रेडीमेड सोने-चांदी के आभूषणों की अवैध तस्करी : आंदोलन कर रहे

स्वर्णकार कारीगरों का कहना है कि गोल्ड कंट्रोल एक्ट और एक्साइज ड्यूटी समाप्त होने के बाद, देश के अलग-अलग राज्यों से रेडीमेड सोने-चांदी के आभूषणों की अवैध तस्करी बढ़ गई है। इसका सीधा असर स्थानीय कारीगरों पर पड़ा है, जिन्हें अब पहले की तरह काम नहीं मिल पा रहा है।

कारीगरों के सामने रोजी-रोटी का संकट

इधर, कारीगरों ने बताया कि परंपरागत रूप से हाथ से आभूषण बनाने वाले लाखों स्वर्णकार, आज बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि कई कारीगरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है और वे भूखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। आंदोलन के जरिए सरकार और आम जनता को यह चेतावनी दी जा रही है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो हालात और भी भयावह हो सकते हैं।

गोल्ड कंट्रोल एक्ट एवं एक्साइज ड्यूटी को लागू करने की मांग

स्वर्णकार कारीगर संघ ने केंद्र सरकार और प्रशासन से मांग की है कि सोना-चांदी के कारोबार को नियंत्रित करने के लिए गोल्ड कंट्रोल एक्ट और एक्साइज ड्यूटी को फिर से लागू किया जाए, ताकि अवैध कारोबार पर रोक लग सके और पारंपरिक कारीगरों को संरक्षण मिल सके।

बड़े-बड़े कॉर्पोरेट घरानों का बढ़ा दखलः चंद्रशेखर अग्रवाल

इस दौरान धरनास्थल पर पहुंचे पूर्व मेयर एवं संभावित महापौर प्रत्याशी चंद्रशेखर अग्रवाल ने स्वर्णकारों के आंदोलन को सही ठहराया। उन्होंने कहा कि कभी आशंका जताई जाती थी कि बड़े कारोबारी, छोटे दुकानदारों को खत्म कर देंगे और आज वही स्थिति सामने आ रही है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट घरानों के बढ़ते दबदबे के कारण मोहल्लों और गलियों में दिखने वाली पारंपरिक सोना-चांदी की दुकानें धीरे-धीरे बंद होती जा रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस गंभीर समस्या पर हस्तक्षेप करने की मांग की है।

न्यूज IN ब्रीफ

श्रद्धा निष्ठा और आस्था का अनुपम स्थल है मां पौड़ी मंदिर

बिनय मिश्रा : चक्रधरपुर सोनुवा मार्ग पर अवस्थित प्राचीन मां पाऊड़ी मंदिर मैं भक्त जानू और श्रद्धालुओं के भीड़ यूं तो प्रतिदिन रहती है किंतु गुरुवार और मां के अंतिम गुरुवार को इस मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के अवसर पर भक्त जनों और श्रद्धालुओं के भीड़ में उमड़तीहै विशेष पूजा अर्चना और व्यापक रूप से प्रसाद वितरण किए जाते हैं दूर दराज ग्रामीण और सुदूर क्षेत्र से भी भकतजनों का आगमन होता है मां के दरबार में पहुंचकर मां के समक्ष मांगी गई मन्नत पूर्ण करती है 14 अप्रैल एवं जनता पूजा में भक्त जनों की विशाल जन समूह उमडती है और विशेष पूजा अर्चना देखने योग्य होती है

उपायुक्त ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चुनाव संबंधी समीक्षा

दुमका : नगर पालिका आम चुनावझ2026 के सफल, निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न चुनाव संबंधी कोषांगों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने सर्वप्रथम नगर परिषद् दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ के निवार्ची पदाधिकारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इसके पश्चात उन्होंने चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी कोषांगों की तैयारियों का विस्तृत जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों एवं गाइडलाइन का अक्षरशः पालन करते हुए कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराई जा सके।

उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने गुरुवार को ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में ईवीएम वेयर हाउस की विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की गई। ईवीएम वेयर हाउस के सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली गई। उन्होने सीसीटीवी व अन्य उपकरणों की स्थिति और रखरखाव का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा द्वारा परिसर के अवलोकन के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, तैनात सुरक्षा बलों, अग्निशमन यंत्र आदि सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सचेत व सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया।

एनएच 22 निर्माण में मुआवजा लंबित, ग्रामीणों ने उपाध्यक्ष जिला परिषद से की शिकायत

लातेहार : चितरपुर एवं गेरेंजा ग्राम के ग्रामीणों ने जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी से मुलाकात कर राष्ट्रीय राजमार्ग ठल्ह-22 के निर्माण में भूमि अधिग्रहण से जुड़ी गंभीर समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि एनएच-22 सड़क का निर्माण हुए लगभग पाँच वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उनकी भूमि का मुआवजा भुगतान नहीं किया गया है। चितरपुर के ग्रामीणों ने यह भी जानकारी दी कि उन्हें भूमि अधिग्रहण से संबंधित किसी प्रकार का नोटिस तक प्राप्त नहीं हुआ, जिससे ग्रामीणों में असमंजस और गहरी नाराजगी है।

ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उपाध्यक्ष जिला परिषद अनीता देवी ने भू-अर्जन कार्यालय की कार्यप्रणाली पर चिंता व्यक्त की और तत्काल इस विषय में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय रजक एवं एनएच (ठल्ह) के संबंधित पदाधिकारी से दूरभाष पर बात की। उन्होंने लंबित मामलों में शीघ्र कार्रवाई करने तथा प्रभावित ग्रामीणों को जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस संबंध में अनीता देवी ने बताया कि गेरेंजा के इसी मामले को लेकर एक सप्ताह पूर्व भी जिला भू अर्जन पदाधिकारी से बातचीत की गई थी, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण ग्रामीणों में असंतोष बना हुआ है। उन्होंने इस गंभीर विषय पर अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री से भी हस्तक्षेप का अनुरोध किया है, ताकि प्रभावित ग्रामीणों को शीघ्र मुआवजा मिल सके।

32 वें एशियाई एस्ट्रोलॉजर कॉन्फ्रेंस आज

जमशेदपुर : 32 वें एशियाई एस्ट्रोलॉजर कॉन्फ्रेंस साकची के एक होटल में शुरू होगा। इस कॉन्फ्रेंस में झारखंड सहित दूसरे राज्यों के भी कई एस्ट्रोलॉजर पहुंचेंगे और विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से एस्ट्रोलॉजर इसके वैज्ञानिक एवं सामाजिक विषयों पर अपनी बात रखेंगे और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर भी चर्चा करेंगे। इसे लोगों के बीच कैसे बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया जाए और इसमें लोगों के विश्वास को बढ़ाने के लिए और क्या किया जाए पर भी चर्चा होगी।

वार्ड नंबर 7 से वार्ड पार्षद प्रत्याशी विजय कुमार साव 2 फरवरी को करेंगे नामांकन

संवाददाता

23 फरवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव के लिए चक्रधरपुर में चुनावी गतिविधि काफी तेज हो चली है अध्यक्ष पद और वार्ड पार्षद चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति नामांकन पत्र लेने के साथ-साथ नामांकन करने की तिथि भी घोषित करने लगे हैं इसी क्रम में वार्ड नंबर 7 से वार्ड पार्षद के चुनाव लड़ने वाले विजय कुमार साहब 2 फरवरी को अपने समर्थक प्रशंसक मित्रगण के साथ उपस्थित होकर नामांकन दाखिल करेंगे श्री साव 23 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए कल अपना नामांकन पत्र लिया और 2 फरवरी को नमक कम करने की बात भी साफ कर दी है श्री साहब के वार्ड नंबर 7 में सशक्त पकड़ और लोगों के साथ बेहतर संबंध उनकी स्थिति को काफी मजबूत बनाया है युवा होने के साथ-सा उन्हें सबों का व्यापक रूप से समर्थन भी मिल रहा है वहीं भाजपा के वरीय नेता एवं मोदी कार्यालय के संचालक तथा विजय कुमार साहू के चाचा सुरेश कुमार साव का भी शहर में व्यापक जनाधार है और सामाजिक कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं सुरेश कुमार साव के द्वारा व्यापक रूप से जन सेवा और जन समस्याओं के लिए निरंतर प्रयतनशील रहनेके फल स्वरुप वार्ड नंबर 7 में

विजय कुमार साहब की स्थिति काफी मजबूत और सुदृढ़ बताई जा रही है इस प्रकार से 2 फरवरी को विजय कुमार साव के नामांकन को लेकर अभी से हैं व्यापक रूप से तैयारी प्रारंभ कर दी गई है और पूरे वार्ड में हर्ष का माहौल देखा जा रहा है।

गोड्डा में साइबर क्राइम के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई

4 अपराधी मोबाइल और नगदी के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

गोड्डा : देवडांड थाना क्षेत्र के ग्राम परगोडीह में सड़क किनारे पेड़ के नीचे बैठकर चार संदिग्ध साइबर ठगी कर रहे थे. पुलिस ने चारों लड़कों को गिरफ्तार कर लिया है. एसपी मुकेश कुमार के निर्देश पर पेट्रोलिंग टीम ने चिन्हित स्थान पर छापा मारा, जहां एक पेड़ के नीचे ये चारों संदिग्ध बैठे थे जो पुलिस की गाड़ी देखकर भागने लगे. इसके बाद हथियारबंद बलों की मदद से उन चारों संदिग्धों का पीछा कर उन्हें पकड़ लिया गया, जिन्होंने बाद में अपना जुर्म कबूल कर लिया.

आरोपियों का संबंध गोड्डा और दुमका जिले से है पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम क्रमशः राकेश कुमार (उम्र 21), अजय केवट (उम्र 22), नितीश कुमार

मंडल (उम्र 29) और निरंजन मंडल (उम्र 26) बताए हैं. गिरफ्तार लड़कों का संबंध गोड्डा और दुमका जिले से है.

पुलिस की गाड़ी देख भागने की कोशिश की : इन आरोपी लड़कों से जब मौके से भागने का कारण पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वे पेड़ के नीचे बैठकर साइबर ठगी का काम कर रहे थे और जब उन्होंने पुलिस की गाड़ी आती देखी तो भागने की कोशिश की. घटना के संदर्भ में देवडांड़ थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है. कांड में गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. नए साल में साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने की दिशा में यह पुलिस की बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है.

ट्रैक्टर के चपेट से आने से महिला की मौत

चाईबासा : ट्रैक्टर के चपेट में आने से टोंटो थाना अंतर्गत टूटूचु पुरानापानी गांव निवासी 29 वर्ष सुनीता चौधरी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गुरुवार को रात के लगभग 10 बजे मृतिकाशौच जाने के लिए गांव में सड़क पार कर रही थी। इस दौरान एक ट्रैक्टर तेज रफ्तार में आयी और घक्का मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गइ।उसे तुरंत घटना स्थल से उठाकर सदल अस्पताल लाया जा रहा था, रास्ते में उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को सुबह सदर थाना पुलिस को घटना की सूचना मिलने पर सदर अस्पताल आई और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।

परिजनों ने बताया गुरुवार को रात में सड़क पार करने के दौरान ट्रैक्टर ने घक्का मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

नक्सली के माता-पिता को पुलिस ने दिया सम्मान

चाईबासा : सारंडा के घने जंगलों में हुई बड़ी मुठभेड़ में 17 नक्सलियों के मारे जाने की खबर जहां देशभर में सुर्खियां बनी, वहीं इस घटना के बाद सामने आई एक मानवीय तस्वीर ने लोगों के दिलों को छू लिया है। मुठभेड़ के दौरान मारे गए कुख्यात इनामी नक्सली रापा मुंडा उर्फ रापा बोदरा उर्फ पावेल के माता-पिता के साथ किरीबुरू पुलिस द्वारा किया गया व्यवहार पूरे कोल्हान क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। मुठभेड़ के बाद नक्सली की पहचान होने पर उसके शव के अंतिम संस्कार को लेकर असमंजस की स्थिति बनी। कई मामलों में ऐसे शव लावारिस रह जाते हैं, लेकिन किरीबुरू थाना प्रभारी रोहित कुमार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए एक अलग पहल की।

उनके निर्देश पर विशेष वाहन भेजकर उड़ीसा के सुंदरगढ़ जिले के टोपकोई गांव से नक्सली के माता-पिता और ग्रामीणों को थाना बुलाया गया। थाना परिसर में वृद्ध माता-पिता बेहद टूटे हुए नजर आए। उन्होंने अपने ही बेटे का शव लेने से इनकार करते हुए कहा कि जिस बेटे ने गलत रास्ता चुना, उसका शरीर वे कैसे स्वीकार करें। इस पर थाना प्रभारी रोहित कुमार ने उन्हें समझाया कि बेटे की गलती के लिए माता-पिता दोषी नहीं होते और उन्हें सजा नहीं मिलनी चाहिए। काफी देर तक चली बातचीत के बाद माता-पिता बेटे का शव लेने के लिए तैयार हुए। इसके बाद पुलिस टीम ने उन्हें भोजन कराया, ठंड से बचाव के लिए कंबल प्रदान किए और पूरे सम्मान के साथ विदा किया।

2018 के वारंटी समीर दास गिरफ्तार, न्यायालय भेजा गया

चाईबासा : किरीबुरू थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रोस्पेक्टिंग हाटिंग बस्ती निवासी 2018 के वारंटी समीर दास, पिता स्वर्गीय सुकरा दास को किरीबुरू पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वारंटी अपने घर पर मौजूद है। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी रोहित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर आरोपी को उसके आवास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार समीर दास लंबे समय से फरार चल रहा था और वर्ष 2018 से उसके खिलाफ वारंट लंबित था। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को आज माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सड़क सुरक्षा का संदेश लेकर दौड़े डीसी और एसपी

स्कूली बच्चों ने भी दिखाई जागरूकता

संवाददाता

सरायकेला : सरायकेला में सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक भव्य 'रोड सेफ्टी मैराथन' दौड़ का आयोजन किया गया। इस अनूठी पहल में उपायुक्त और एसपी ने खुद स्कूली बच्चों व युवाओं के साथ दौड़कर 'जीवन रक्षा' का संदेश दिया। इस दौरान हेलमेट व सीटबेल्ट के इस्तेमाल की शपथ दिलाई गई। जिला परिवहन विभाग की और से आयोजित इस मैराथन दौड कि शुरूआत इंडोर स्टेडियम से बिरसा मुंडा स्टेडियम तक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । बच्चों के साथ पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मी भी दौड़ में शामिल हुए ।

बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए डीसी और एसपी स्वयं भी उनके साथ दौड़ते नजर आए । उपायुक्त नितीश कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। एम्बुलेंस और चिकित्सा दल पूरी दौड़ के दौरान तैनात रहे ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

देवघर नगर निगम चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज

संभावित उम्मीदवारों ने जनसंपर्क अभियान किया तेज

संवाददाता

देवघर : झारखंड में नगर निकाय चुनाव का बिगुल बजते ही सियासी गलियारे में चहल-पहल बढ़ गई है. देवघर जिले में भी चुनावी तैयारियां अब रफ्तार पकड़ चुकी हैं. निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव तिथि की घोषणा के बाद चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है.

मेयर पद के संभावित उम्मीदवार बाबा बलियासे का कहना है कि वे वर्षों से लगातार जनता के बीच रहकर सेवा करते आ रहे हैं. चाहे कोरोना काल रहा हो या सामान्य दिन, उन्होंने हमेशा जरूरतमंदों की मदद को प्राथमिकता दी है. समाज सेवा को वे अपने परिवार की परंपरा बताते हैं. बाबा बलियास का दावा है कि जनता उनके कार्यों से भली-भांति परिचित है और यही विश्वास

चुनाव परिणामों में दिखाई देगा.

वहीं मेयर पद के दूसरे संभावित प्रत्याशी सूरज झा का कहना है कि वे चुनाव से पहले भी समाजसेवी के रूप में लगातार जनता के बीच सक्रिय रहे हैं. सूरज झा ने कहा कि यदि जनता उन्हें मेयर बनने का अवसर देती है तो शहर में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, पेयजल संकट का समाधान और स्वच्छता व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर मजबूत किया जाएगा. उन्होंने मेयर बनने के बाद हर वार्ड में पुस्तकालय, बच्चों के लिए खेल मैदान, बुजुर्गों के घूमने के लिए पार्क और सड़कों पर सोलर लाइट लगाने की भी बात कही.

इधर, वार्ड पार्षद पद की संभावित प्रत्याशी शैलजा देवी ने बताया कि वे पहले भी जनता की सेवा कर चुकी हैं और वार्ड पार्षद के रूप में उन्हें लोगों का भरपूर सहयोग मिला है. उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार भी जनता का समर्थन उन्हें मिलेगा और एक बार फिर जनता उन्हें वार्ड की सेवा का अवसर देगी.

संभावित प्रत्याशियों का कहना है कि चुनाव की समय सीमा भले ही कम हो, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा दिया गया समय जनसंपर्क के लिए पर्याप्त है. चुनाव लड़ने के इच्छुक लोग अपने-अपने वार्ड और क्षेत्रों में पहुंच चुके हैं. गौरतलब है कि इस बार देवघर नगर निगम चुनाव बेहद रोचक होने वाला है, क्योंकि चुनावी मैदान में कई चर्चित और अनुभवी चेहरे अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. ऐसे में मुकाबला कड़ा माना जा रहा है. अब देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस पर भरोसा जताती है और मतगणना के बाद देवघर नगर निगम की सत्ता की बागडोर किसके हाथों में जाती है. चुनावी रण में कौन रणबांकुरा साबित होगा, इसका फैसला जनता के वोट से होगा.